Aug. 2025

SRMS Trust Bulletin

आयाम

फाउंडर्स डे सैलिब्रेशन - PAGE 04

12वीं टेबिल टेनिस चैंपियनशिप आयोजित - PAGE 10

रिद्धिमा में नृत्य, संगीत, नाटक के बाद कवि सम्मेलन व मुशायरा आरंभ - PAGE 18

- सेनानी श्रीराम मूर्ति जी ने जेल में सही अमानवीय यातनायें – PAGE 03
- आईसीयू में 21 से ज्यादा दिन पर मरीजों से बेड व नर्सिंग चार्ज नहीं – PAGE 04
- एसआरएमएस ट्रस्ट को मिला हिन्दुस्तान आईकन्स अवार्ड सम्मान – PAGE 12
- एसआरएमएस में हुआ रुहेलखण्ड का पहला लीवर बाईपास – PAGE 13
- आइडियाथॉन में पहुंची 25 टीमें, विजेता विद्या वर्ल्ड स्कूल को 21 हजार इनाम – PAGE 25
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'यथार्थ का सत्य' – PAGE 30

SRMS | Riddhima

A Centre of Performing & Fine Arts

Affiliated to Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh (Chhattisgarh)

INTRODUCING FIRST TIME IN BAREILLY

PROFESSIONAL PHOTOGRAPHY COURSES

REGISTRATION OPEN

Batch Starting from February 2025

DIPLOMA

3/6 months

ADVANCE DIPLOMA

12 months

Master Photography with Hands-On Training in Diverse Genres, Advanced Lighting Techniques & Professional-Grade Equipment

OTHER COURSES	CLASSICAL MUSIC	CLASSICAL DANCE	THEATRE	FINE ARTS
	Vocal	Kathak	Acting	Sketching
	Instrumental	Bharatnatyam	Drama	Painting

31, Hajiyapur, Opposite Model Town Police Chowki
Stadium Road, Bareilly - 243 005 (U.P.)

0581-2530000, 9458701600 riddhima@srms.ac.in riddhima.srms.ac.in

24वें स्थापना दिवस पर तीमारदारों को भी तोहफा

एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने 4 जुलाई को अपना 24वां स्थापना दिवस मनाया। 50 मरीजों की ओपीडी के साथ वर्ष 2002 में आरंभ होने वाले इस मेडिकल कालेज में आज 3500 से ज्यादा मरीज प्रतिदिन अपने इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। मरीजों को अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के साथ यहां तीमारदारों को भी तमाम सहूलियतें दी जा रही हैं। 12 रुपये में तीमारदारों को भोजन भी एक ऐसी ही सुविधा है। इसकी घोषणा एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 24वें स्थापना दिवस पर की। इससे निसंदेह तीमारदारों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सकेगा और उन्हें इसके लिए भटकना भी नहीं पड़ेगा। इस मौके पर एक और भी घोषणा की गई, जिसके तहत यहां आईसीयू में 21 दिन से ज्यादा भर्ती मरीजों को बेड व नर्सिंग चार्ज से छूट मिली। मरीज और तीमारदारों के प्रति सहानुभूति रखने के साथ उनको सहूलियतें देने के कारण ही संस्थान पर मरीजों का विश्वास दिनों दिन बढ़ रहा है। जनहित की योजनाओं के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट को शुभकामनाएं...

–जयहिंद

अमृत कलश

"गलती हो जाने का अधिकार स्वतंत्रता है, न की गलत होने का अधिकार"

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Ashish Arora - Photographer
Aniket - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Ruchi Sharma - (Co-Ordinator, CET)
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Tanmay Pant - (Co-Ordinator, IBS)

कवर पेज: मेडिकल कॉलेज स्थापना दिवस, रिद्धिमा में बच्चों ने किया प्रदर्शन, टेबिल टेनिस टूर्नामेंट के विजेता

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in
13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura
Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

स्वतंत्रता संग्राम में सहीं अमानवीय यातनाएं

हमारे प्रेरणा स्रोत
स्व. श्रीराम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

8 अगस्त 1942 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो आंदोलन का आहवान किया। विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, असहयोग आंदोलन जैसे तमाम अभियानों का सफलतापूर्वक संचालन करने वाले लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ने भी भारत छोड़ो आंदोलन के फैसले का समर्थन किया। इस फैसले से चिंतित अंग्रेज सरकार ने आंदोलन आरंभ होने से एक सप्ताह पहले एक अगस्त को ही राम मूर्ति जी को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें ढाई साल काल कोठरी की भीषण सजा सुनाई। उन्हें अंधकार से भरी कोठरी में रखा गया, जहां रोशनी के लिए सिर्फ एक रोशनदान था। इस अंधेरी कोठरी में रोशनदान से दिन और रात का ही अहसास होता था। उन्हें मिट्टी के सिर्फ दो बर्तन दिए गए। इन्ही में खाना परोसा जाता और इन्हीं की मदद से दैनिक क्रियाएं भी निपटानी होती थीं। इस पर भी श्रीराम मूर्ति जी ने कोई शिकायत नहीं की। इससे अंग्रेज अफसर उन्हें और ज्यादा परेशान करने लगे। उनकी कोठरी में कई बार गंदा मैला तक डाल दिया जाता। लेकिन राम मूर्ति जी ने मांफी नहीं मांगी। घोर यातनाओं के बाद भी उन्होंने आंदोलन नहीं छोड़ा। स्वतंत्रता के लिए अपने कर्तव्य को बड़ा समझा। आखिरकार अंग्रेजों को झुकना पड़ा। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को सादर नमन।

–श्रद्धांजलि

बरेली जेसीज के कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी। (फोटो एसआरएमएस अकाईब)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

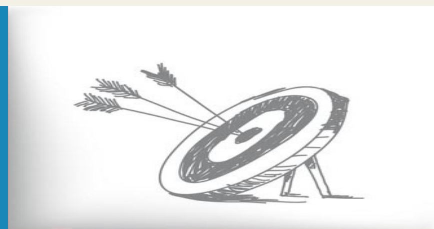

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के 24वें स्थापना दिवस पर चेयरमैन देव मूर्ति की घोषणा

21 दिन से ज्यादा भर्ती आईसीयू मरीजों से बेड व नर्सिंग चार्ज नहीं

विभाग, चिकित्सक, विद्यार्थी और स्टाफ को प्रशंसा पत्र एवं गिफ्ट से किया सम्मानित

स्थापना दिवस पर मेडिकल जर्नल का विमोचन करते चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी व अन्य

- 250 बेड के आईसीयू के साथ एसआरएमएस मेडिकल कालेज में बनेगी ट्रामा यूनिट
- तीमारदारों को 12 रुपये में और स्टाफ के 50 लोगों को 10 रुपये में प्रतिदिन भोजन
- सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को गिफ्ट देकर चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दी विदाई
- गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति सहित 40 लोगों ने किया रक्तदान
- कनेक्सस क्लब के विद्यार्थियों ने देव मूर्ति के जन्मदिन पर केक काट कर दी बधाई
- एसआरएमएस मेडिकल जर्नल और मैगजीन कनेक्ट 2025 का किया गया विमोचन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आईसीयू में 21 से ज्यादा दिनों तक भर्ती रहने वाले मरीजों से आईसीयू और नर्सिंग चार्ज नहीं लिया जाएगा। मरीजों के साथ ही यहां उपचाराधीन मरीजों के तीमारदारों को भी मात्र 12 रुपये खर्च पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाएगा। स्टाफ के 50 लोगों को भी 10 रुपये में भोजन मिलेगा, हालांकि इसके लिए उन्हें एक दिन पहले आनलाइन आवेदन करना पड़ेगा। हादसों में बढ़ती जनहानि को रोकने के लिए एसआरएमएस में जल्द ही 250 बेड के आईसीयू के साथ ट्रामा यूनिट बनाई जाएगी। जिससे ज्यादा से ज्यादा ट्रामा के मरीजों की जान बचाई जा सके। इसके लिए ड्रोन के सहारे उपचार उपलब्ध कराना और जरूरतमंद लोगों को उनके घरों तक आईसीयू उपलब्ध कराना शामिल है। यह घोषणा एसआरएमएस मेडिकल कालेज के 24वां स्थापना दिवस समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने की। इस अवसर पर उन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, उपलब्धियां हासिल करने वाले चिकित्सकों, विद्यार्थियों और स्टाफ को प्रशंसा पत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया। साथ ही संस्थान से सेवानिवृत्त होने वाले सेवाकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और गिफ्ट देकर विदाई दी।

श्रद्धा सुमन

मेडिकल कालेज में 4 जुलाई 2025 को 24वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह से पहले देव मूर्ति जी ने अपने पिता और संस्थान के प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति जी के चित्र पर माल्यार्पण कर हवन पूजन किया। इस मौके पर कनेक्सस क्लब के विद्यार्थियों ने केक काटा और चेयरमैन देव मूर्ति जी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। ब्लड बैंक में भी केक काटा गया और यहां पर रक्तदान कैंप आयोजित हुआ। जिसमें गुड लाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति और ट्रामा एवं इमरजेंसी मेडिसिन के एचओडी डा.योगेश चेट्टी सहित 40 लोगों ने रक्तदान किया। सम्मान समारोह में देव मूर्ति जी ने कहा कि 25 वर्ष पहले हमने मेडिकल कालेज का सपना देखा उसे पूरा किया। उसकी नींव रखी, जो आज 23 वर्ष पूरा कर चुका है। इसके लिए आप सभी को धन्यवाद। आज हम सब मेडिकल कालेज का 24वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। यह हम सबके लिए हर्ष और गर्व की बात है। 11 बेड से आरंभ हुआ यहां का आईसीयू 80 बेड का हो गया है। अब यहां पर 250 बेड के आईसीयू के साथ ही ट्रामा यूनिट बनाने की तैयारी की जा रही है। देव मूर्ति जी ने मरीजों और उनके तीमारदारों और भी सहूलियतें देने की घोषणाएं की। उन्होंने मेडिकल कालेज स्थित आडिटोरियम में स्थापना दिवस पर हुए सम्मान समारोह में अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर संस्थान से सेवानिवृत्त होने वाले सेवाकर्मी भगवत सरन और मुकद्दर अली को गिफ्ट देकर विदाई दी। देव मूर्ति जी ने एक वर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने पर पांच विभागों जनरल मेडिसिन, स्त्री व प्रसूति रोग विभाग, ईएनटी, रेस्पिरेटरी डिपार्टमेंट, डर्मेटोलाजी डिपार्टमेंट को प्रशंसा पत्र दिया। मेडिकल कालेज के पांच विभागों क्रिटिकल केयर, रेडिएशन ओंकोलाजी, मेडिकल एजूकेशन यूनिट, इमरजेंसी व ट्रामा मेडिसिन और क्वालिटी विभाग को चेयरमैन की ओर से विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। पैथोलाजी विभागाध्यक्ष डा.तनु अग्रवाल, डर्मेटोलाजी विभागाध्यक्ष डा.प्रतीक गहलोत, रेडियो डायग्नोसिस

विभाग के प्रोफेसर डा.नीरज प्रजापति और डा.नम्रता सिंह, रेस्पिरेटरी विभाग के डा. यतिन मेहरा, कम्यूनिटी मेडिसिन की डा. रूपाली गुप्ता, रेडिएशन ओंकोलाजी के डा. सिलंबरासन सिवाजी, कम्युनिटी मेडिसिन के रवि कुमार को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। जनरल मेडिसिन के एचओडी डा.एसके सागर और इमरजेंसी व ट्रामा मेडिसिन के डा.हर्षित अग्रवाल को चेयरमैन की ओर से स्पेशल प्रशंसा पत्र मिला। स्थापना दिवस पर मेडिकल कालेज के विभिन्न विभागों में कार्यरत 19 लोगों को प्रशंसा पत्र के साथ 5 हजार रुपये का नकद इनाम दिया गया। शोध कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एमबीबीएस के 10 विद्यार्थियों 2100 रुपये का नकद पुरस्कार और उनके गाइड को भी समारोह में सम्मानित किया गया। इस मौके पर सभी ने एसआरएमएस मेडिकल जर्नल (मेडिकल साइंसेज सप्लीमेंट वन) और मेडिकल एजुकेशन यूनिट की मैगजीन कनेक्ट 2025 का भी विमोचन किया। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने संस्थान में सेवारत डाक्टर और अन्य स्टाफ सहित सभी को 24वें स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य चिकित्सा और शिक्षा का है और इसे हम सब लोग मिल कर पूरा कर रहे हैं। उन्होंने सभी को जिम्मेदारी लेने का संदेश दिया। कहा कि संस्थान को 23 वर्ष हो गए। यह उम्र उम्मीदों की उम्र कही जाती है। ऐसे में सभी को और सावधानी से जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना होगा। मरीजों और लोगों का विश्वास बनाए रखना होगा। तभी हम लोगों के भरोसे पर खरे उतर पाएंगे। उन्होने इसके लिए सामूहिक प्रयास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित पत्रिका इंडिया टुडे ने देश भर के सभी 783 से ज्यादा मेडिकल कालेजों की रैंकिंग में हमें 37वां स्थान दिया है। 23 वर्ष में हमने एक दूसरे के विश्वास के साथ समाज का भी भरोसा हासिल किया है। इससे पहले मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया और 23 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। स्थापना दिवस कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी डा. ईरा भारद्वाज और डीन यूजी डा. बिंदु गर्ग ने निभाई। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, डा.श्यामल गुप्ता जी, सुभाष मेहरा, डा.निर्मल यादव, सुरेश सुंदरानी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स सीईटी डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा. शैलेश सक्सेना, आईपीएस की प्रिंसिपल डा. जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, मैट्रन जायस विल्सन और स्टाफ मौजूद रहा।

हवन

चेयरमैन देव मूर्ति जी ने जन्मदिन पर काटा केक

ऋचा मूर्ति जी ने किया रक्तदान

जन्मदिन की शुभकामनाएं

आशा कार्यकर्ता

पैरामेडिकल कॉलेज स्टाफ

नर्सिंग कॉलेज स्टाफ

नर्सिंग स्टाफ

APPRECIATION

Departmental recognition for excellence

1. GENERAL MEDICINE
2. OBSTETRICS & GYNECOLOGY
3. OTORHINOLARYNGOLOGY (ENT)
4. RESPIRATORY MEDICINE
5. DERMATOLOGY V & L

Chairman's Special Appreciation Award for departments

1. Critical Care - Appreciation Award for outstanding dedication and exemplary service in managing the 70-bed Intensive Care Unit (ICU) with exceptional leadership and clinical excellence.

2. Radiation Oncology - Appreciation Award for getting Rs.3 Lakh Research Grant consecutively 2nd year.

3. Medical Education Unit - Certificate of Appreciation for outstanding efforts and dedication in successfullyorganizing4-CISP-III workshopsand4-BCME workshopsduring the academic year 2024-25.

4. Emergency Medicine - Appreciation Award for Prestigious and internationally recognized Advanced Trauma Life Support (ATLS) Course at SRMS Institute of Medical Sciences and have led to the successful organization of the course on two occasions.

5. Quality Dept. - Appreciation Award for excellence in Improvement in quality patient care, work culture and infrastructure changes.

Chairman's Special Appreciation Award for faculty

Dr. S. K. Sagar (Professor & Head General Surgery) Appreciation Award for outstanding dedication, skill, and innovation in performing over 100 successful robotic surgeries in the past two years

Dr. Harshit Agarwal (Assistant Professor Emergency Medicine) Appreciation Award for exceptional expertise and dedication in the fields of Thoracic Surgery and Trauma Surgery. For Establishing the prestigious and internationally recognized Advanced Trauma Life Support (ATLS) Course at SRMS Institute of Medical Sciences and have led to the successful organization of the course on two occasions.

Special achiever award to faculty

Dr. Tanu Agarwal (Professor & Head Pathology) Appreciation Award for mentoring UG students for research and ICMR NICPR Training in Cancer screening, conferences & other works.

Dr. Prateek Gahalaut (Prof. & Head Dermatology) Appreciation Award for Part of ICMR-STS project one more project is ongoing, conferences, Being state president of IADVL UP & UK Branch & other works..

Dr. Neeraj Prajapati (Prof. Radiodiagnosis) Appreciation Award for His contribution in innovate in Cardiac CT &MR neuro graphy, conf. & other works.

Dr. Namrata (Asso. Professor Radiodiagnosis) Appreciation Award for being speaker/ Panelist / chairperson in many conferences & other works..

Dr. Yatin Mehta (Asso. Professor Resp. Medicine) Appreciation Award for conducting 3 non thesis research projects. For Wining prize at National level conferences and Presented many papers,

Dr. Rupali Gupta (Assistant Prof. Community Medicine) Appreciation Award for Inchargeship of MSWs and conducted different activities for RHTC, UHTC, Health Camps, In-charge of National Health program.

Dr. Silambarasan Nagloor Sivaji (Assistant Professor Radiation Oncology) Appreciation Award for As nuclear physicist his valued contribution in the department of radiation oncology.

Ravi Kumar (Statistician Cum Assistant Professor Community Medicine) Appreciation Award for Being a valuable member of as statistician to all the thesis and research project & other works.

Felicitation of Under Graduate MBBS Students for the Research Work

Aastha Tripathi (Batch 2021)

Aryanshi (Batch 2021)

Aayurdd Gour (Batch 2022)

Kavish Arora (Batch 2023)

Maneeti Manya (Batch 2023)

Mansi Dagar (Batch 2023)

Piya Varshney (Batch 2024)

Gaurang Gupta (Batch 2024)

Garima Ambani (Batch 2024)

Mahi Kataria (Batch 2024)

Certificate of Appreciation with Cash Prize to Other Staff

Bhushan Arora (In-charge IPD)

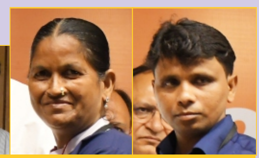

Neeta Saklaini (G. Medicine) | Arti Saxena (NICU, Nursing) | Arun Kumar (Sur. Nursing) | Gladwin Hudson (MRI) | Cheena Lal (Derma, V & L) | Rajesh Kumar (Endoscopy) | Rama Devi (Cleaning Staff) | Sunil (Cleaning Staff)

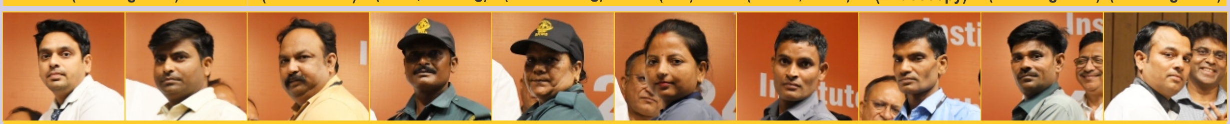

Sanjay Gupta (Pharmacy) | Tilak Ram (Lifter) | Nishant Singh (AC Plant) | Vijay Singh (Security) | Poonam Devi (Security) | Sunita (Ward Aaya) | Dhanesh Pal (Ward Boy) | Tara Chand (Peon) | Rahees (Plumber) | Keval Ram (Mess - Waiter)

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में 5 मरीजों को फ्री सर्जरी का तोहफा

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में रुद्रपुर की हुजैफा खान, गोंडा की निरुपमा, पीलीभीत की अफसाना, बरेली की जैनब बी और लता की निशुल्क सर्जरी की गयी। 24वें स्थापना दिवस पर आयोजित मिनिमल इनवेसिव सर्जरी कैंप में हुए 284 रजिस्ट्रेशन के लकी ड्रा में इन पांच मरीजों की पर्चियां निकलीं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले अन्य सभी मरीजों को संस्थान की पूर्व घोषणा के अनुसार सर्जरी पर 50 फीसद छूट दी गयी। 24वां स्थापना दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में पांच दिवसीय मिनिमल इनवेसिव सर्जरी कैंप आयोजित हुआ। दूरबीन विधि से आपरेशन के लिए लगे इस कैंप में 284 मरीजों ने गैस्ट्रो सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, यूरोलाजी, कास्मेटिक सर्जरी, इंटरवेंशनल सर्जरी, पीडियाट्रिक सर्जरी, कार्डियक सर्जरी, जनरल सर्जरी, गायनी सर्जरी, नेत्र सर्जरी, आर्थोस्कोपी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, नाक, कान व गला सर्जरी जैसे विभागों रजिस्ट्रेशन कराया। कैंप के समापन के बाद संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने लकी ड्रा निकाल कर पांच मरीजों को निशुल्क सर्जरी का तोहफा दिया। उन्होंने 5 रजिस्ट्रेशन फार्म निकालें। जिसमें रुद्रपुर की हुजैफा खान, गोंडा की निरुपमा, पीलीभीत की अफसाना, बरेली की जैनब बी और लता यादव की पर्ची निकली। हुजैफा खान (17 वर्ष) और जैनब बी (26 वर्ष) के गर्भाशय में सिस्ट से तकलीफ थी। जबकि बरेली में अपनी बेटी के साथ रह रही गोंडा निवासी निरुपमा (62 वर्ष) को मोतियाबिंद से देखने में दिक्कत थी। अफसाना (48 वर्ष) के कान में दर्द रहता था तो लता यादव को स्टोन होने से गाल ब्लैडर में दर्द की शिकायत थी। फ्री सर्जरी के लिए लकी ड्रा में चुने जाने पर सभी ने खुशी जताई।

लकी ड्रा

इन मरीजों की हुई निशुल्क सर्जरी

बरेली के डीएम अविनाश सिंह ने किया मिनिमल इनवेसिव कैंप का उद्घाटन

बरेली: डीएम अविनाश सिंह और एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति जी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के स्थापना दिवस पर आयोजित मिनिमल इनवेसिव सर्जरी (दूरबीन विधि) कैंप का उद्घाटन किया। इस दौरान डीएम अविनाश सिंह ने यहां उपलब्ध विश्वस्तरीय उपकरणों की जानकारी ली और मरीजों से बात कर आयुष्मान में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने उचित दरों पर गरीबों के स्तरीय इलाज को जरूरी बताया और इसके लिए एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित सेवाओं की तारीफ की।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में स्थापना के 23 वर्ष पूरे होने पर मिनिमल इनवेसिव सर्जरी (दूरबीन विधि) कैंप आयोजित किया गया। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त), डा.एमएस बुटोला, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग के साथ डीएम अविनाश सिंह ने आईसीयू, कैथ लैब, माड्यूलर ओटी का निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। डीएम ने रोबोटिक सर्जरी और कैंसर के उपचार में विशेष रुचि दिखाई। अत्याधुनिक सुविधाओं पर संतुष्टि जताते हुए उन्होंने महंगे होते इलाज को उचित दरों पर आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। आदित्य मूर्ति जी ने उन्हें आम लोगों के इलाज लिए एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। डीएम को अस्पताल में संचालित निशुल्क बेड, निशुल्क दवाइयों के साथ उपचार में भी रियायती दरों जैसी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। डीएम ने यहां मौजूद मरीजों और उनके तीमारदारों से भी बात की और यहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशासन और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के साथ मिल कर मरीजों के लिए काम करने की पहल की। इस अवसर पर क्रिटिकल केयर इंचार्ज डा.ललित सिंह, रोबोटिक सर्जन डा.एसके सागर, हार्ट स्पेशलिस्ट डा.अमरेश अग्रवाल, कैंसर स्पेशलिस्ट डा.पियूष कुमार, ओंको गायनी सर्जन डा. मनोज कुमार टांगड़ी मौजूद रहे।

उद्घाटन

डीएम अविनाश सिंह

आशा मूर्ति

- अविनाश सिंह ने आईसीयू, कैथ लैब, माड्यूलर ओटी का किया निरीक्षण
- कैंसर के उपचार में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की ली जानकारी
- रोबोटिक सर्जरी की तकनीक को जाना और इसके फायदों को सराहा
- मरीजों से बात कर जाना आयुष्मान में मिलने वाली सुविधाओं का हाल

हवन कर मनाया गुडलाइफ हास्पिटल का आठवां स्थापना दिवस

दो दिवसीय कैंप में की गई मरीजों की निशुल्क जांचें

हवन

स्वास्थ्य जांच

स्वास्थ्य मेला में उमड़े लोग

बरेली: एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल ने 19 जुलाई 25 को अपना आठवां स्थापना दिवस मनाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी और गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी ने स्टाफ के साथ विधि विधान से हवन किया और सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी ने कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने होम अवे फ्राम होम कांसेप्ट से 19 जुलाई वर्ष 2018 में गुडलाइफ हास्पिटल स्थापित किया। हाईजीन और नर्सिंग केयर में अलग पहचान बनाने के साथ डाक्टर और स्टाफ की मेहनत से गुडलाइफ हास्पिटल ने सात वर्षों में खास मुकाम बनाया है। इसी वजह से यहां के इंटरनल मेडिसिन सेंटर, यूरोलाजी एवं किडनी केयर सेंटर, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेंटर, घुटना और कूल्हे के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेंटर, मेंटल हैल्थकेयर सेंटर और क्रिटिकल केयर सेंटर को सेंटर आफ एक्सीलेंस कहा जाता है। आईसीयू, एचडीयू और एनआईसीयू संपन्न यहां के क्रिटिकल केयर सेंटर में भर्ती होकर अब तक 2000 से ज्यादा मरीज स्वास्थ्य लाभ हासिल कर चुके हैं। सात वर्ष में यहां 3 लाख से ज्यादा मरीज ओपीडी में पहुंचे। भतह्र होकर 25 हजार से ज्यादा मरीजों ने अपना इलाज करवाया। 12 हजार से ज्यादा मरीजों को आपरेशन के बाद परेशानियों से ठीक हुए। 600 से ज्यादा मरीजों ने आपरेशन करवा कर घुटने और कूल्हे की तकलीफ से निजात पाई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत निशुल्क इलाज करने वाले गुडलाइफ हास्पिटल में ओपीडी के साथ ही इंडोर, डे-केयर, इमरजेंसी सुविधा के साथ आईसीयू, एचडीयू, एनआईसीयू, लेमीनर फ्लो माड्यूलर आपरेशन थिएटर, फार्मेसी भी उपलब्ध है। डीलक्स, प्राइवेट और सेमी प्राइवेट रूम में उपचार करा कर स्वस्थ होकर घर जाने वाले मरीज यहां मिलने वाली सुविधाओं और इलाज से संतुष्टि की कहानी बयां करने के लिए काफी हैं। यही गुड लाइफ की यूएसपी भी है। इसी की बदौलत गुड लाइफ आज अपनी स्थापना के 7 वर्ष पूरे कर रहा है। यहां लगातार नई सुविधाओं और विभागों का विस्तार किया जा रहा है। जिससे मरीजों को एक छत के नीचे अन्य सुविधाएं प्रदान की जा सकें। स्थापना दिवस के अवसर पर गुडलाइफ हास्पिटल में दो दिवसीय निशुल्क जांच कैंप भी आयोजित हुआ। जिसमें वाइरल मार्कर, यूरोफ्लोमैट्री, सीरम पीएसए, बीएमडी, सीरम क्रिएटिनिन जैसी जांचें निशुल्क की गईं। स्थापना दिवस पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल डा. एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. आरपी सिंह, डा.एमके मेहरोत्रा, डा. पियूष कुमार, डा.अमरेश कुमार अग्रवाल, डा.रोहित शर्मा, डा.बिंदु गर्ग, डा.रुचिका गोयल, डा.संजय कुमार, डा.विद्यानंद झा, डा.अमित सक्सेना, डा.महेश त्रिपाठी, डा.दीपक चरन, डा. हिमांशी खट्टर, डा.वंदना प्रसाद, डा. निवेदिता गुप्ता, डा.शाजिया खान, डा.सुषमा रतूड़ी, डा.हिमांशु वर्मा, डा.कमल नयन गंगेय, डा.वकील अहमद, डा.आकृति बैजल और स्टाफ के लोग मौजूद रहे।

12वां श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं तृतीय यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट आयोजित

आरती चौधरी और दिव्यांश श्रीवास्तव को खिताब

वुमन्स में गाजियाबाद की आरती चौधरी और मेन्स में लखनऊ के दिव्यांश चैंपियन

फाइनल में अंकिता गुप्ता का सामना करती आरती चौहान

दिव्यांश श्रीवास्तव

बरेली: 12वें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं तृतीय यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में पिछले वर्ष 2024 की वुमन्स चैंपियन गाजियाबाद की अंकिता गुप्ता को हराकर गाजियाबाद की ही आरती चौधरी ने वुमन्स कैटेगरी का खिताब जीता। वुमन्स कैटेगरी के साथ ही अंकिता गुप्ता यूथ गर्ल्स (अंडर-19) कैटेगरी में भी रनर रहीं। इस कैटेगरी में अंकिता को हराकर गाजियाबाद की दिशा ने खिताब हासिल किया। मेन्स कैटेगरी में पिछले वर्ष 2024 की ही कहानी दोहराया गई। पिछले वर्ष के मेन्स चैंपियन लखनऊ के दिव्यांश श्रीवास्तव ने गाजियाबाद के सार्थ मिश्रा को इस वर्ष फिर पराजित किया। वर्ष 2023 में इसी टूर्नामेंट में दिव्यांश को हरा कर सार्थ मिश्रा चैंपियन बने थे। यूपीटीटीए के प्रेसीडेंट संजीव पाठक, यूपीटीटीए के पूर्व जनरल सेक्रेटरी अरुण बनर्जी, श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने जीत की बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ विजेता खिलाड़ियों को ट्राफियां, सर्टिफिकेट और नकद पुरस्कार प्रदान किए।

- प्रयागराज की अंशिका गुप्ता को कैडेट गर्ल्स (अंडर-13) और होप्स गर्ल्स (अंडर-11) में दोहरा खिताब
- यूथ बायज (अंडर-19) में आगरा के मौलिक और यूथ बायज (अंडर-17) में प्रयागराज के आर्यन चैंपियन
- यूथ गर्ल्स (अंडर-19) में गाजियाबाद की दिशा और यूथ गर्ल्स (अंडर-17) में यहीं की याशिका विजेता
- सब जूनियर बायज (अंडर-15) में कानपुर के आशुतोष, सब जूनियर गर्ल्स (अंडर-15) अनोखी की जीत
- तीन दिवसीय टूर्नामेंट की 12 कैटेगरी में खेलने को पहुंचे 30 जिलों के चार सौ से ज्यादा खिलाड़ी

उद्घाटन

श्रीराम मूर्ति कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में 12वां श्रीराम मूर्ति मेमोरियल एवं तृतीय यूपी स्टेट रैंकिंग टेबिल टेनिस टूर्नामेंट हुआ। पहली अगस्त को बरेली टेबल टेनिस संघ के सचिव दीपेंद्र कमथान, मुख्य निर्णायक अंतरराष्ट्रीय व देश के पहले रैकेट कंट्रोलर अंतरराष्ट्रीय रेफरी अमित सिंह, टूर्नामेंट डायरेक्टर एनके लाहिरी, टूर्नामेंट के डिप्टी रैफरी पीके जैन, जूनियर नेशनल टीम के कोच पराग अग्रवाल, इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता और एसआरएमएस ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा ने दीप प्रज्वलन किया। सुभाष मेहरा ने रिबन काटा और खिलाड़ियों से परिचय हासिल कर इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली के पदाधिकारियों का स्वागत किया और टूर्नामेंट में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं एवं खिलाड़ियों को खेल भावना से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भी संदेश दिया। डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली के सेक्रेटरी दीपेंद्र कमथान ने सभी का स्वागत करने के साथ टूर्नामेंट की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन बरेली के तत्वाधान और उ. प्र. टेबल टेनिस एसोसिएशन के निर्देशन में आयोजित और स्टेग ग्लोबल द्वारा प्रायोजित इस टूर्नामेंट में ब्वायज और गर्ल्स वर्ग में 12 कैटेगरी में मुकाबले खेले जा रहे हैं। तीन दिन में 400 खिलाड़ी 10 टेबल पर 650 सौ मैचों में जोर आजमाइश करेंगे। प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और सेमीफाइनल में खेलने वाले खिलाड़ियों को

यह रहे विजेता

- मेन्स फाइनल- दिव्यांश श्रीवास्तव (लखनऊ) ने सार्थ मिश्रा (गाजियाबाद) को 12-10, 11-7, 8-11, 6-11, 13-11 से हराया।
- वुमन्स फाइनल- आरती चौधरी (गाजियाबाद) ने अंकिता गुप्ता (गाजियाबाद) को 11-8, 12-14, 16-14, 9-11, 11-9 अंकों से पराजित किया।
- यूथ बायज (अंडर 19)- मौलिक चतुर्वेदी (आगरा) ने अद्वित गुप्ता (कानपुर) को 11-5, 11-8, 12-10 अंकों से पराजित किया।
- यूथ गर्ल्स (अंडर 19)- दिशा (गाजियाबाद) ने अंकिता गुप्ता (गाजियाबाद) को 4-11, 13-11, 11-9, 12-10 अंकों से पराजित किया।
- जूनियर बायज (अंडर 17)- आर्यन कुमार (प्रयागराज) ने अर्णव पंवार (गाजियाबाद) को 11-7, 11-5, 12-10 अंकों से पराजित किया।
- जूनियर गर्ल्स (अंडर 17)- याशिका तिवारी (गाजियाबाद) ने अनोखी केशरी (वाराणसी) को 10-12, 13-11, 11-3, 9-11, 11-5 अंकों से हराया।
- सब जूनियर बायज (अंडर 15)- आशुतोष गुप्ता (कानपुर) ने लक्ष्य कुमार (लखनऊ) को 11-9, 11-8, 11-5 अंकों से हराया।
- सब जूनियर गर्ल्स (अंडर 15)- अनोखी केल्शरी (वाराणसी) ने अंशिका मिश्रा (कानपुर) को 12-10, 11-8, 11-8 अंकों से पराजित किया।
- कैडेट बायज (अंडर 13)- लक्ष्य कुमार (लखनऊ) ने शौर्य गोयल (लखनऊ) को 12-10, 11-5, 4-11, 11-3 अंकों से हराया।
- कैडेट गर्ल्स (अंडर 13)- अंशिका गुप्ता (प्रयागराज) ने अंकिशा मिश्रा (आगरा) 11-8, 5-11, 11-8, 11-7 अंकों से पराजित किया।
- होप्स बायज (अंडर 11)- आर्यवीर बोरा (गौतम बुद्ध नगर) ने दुर्वाक (कानपुर) को 7-11, 11-7, 11-7, 10-12, 11-5 अंकों से हराया।
- होप्स गर्ल्स (अंडर 11)- अंशिका गुप्ता (प्रयागराज) ने इनाया फातिमा (आगरा) को 11-4, 11-6, 11-8 अंकों से पराजित किया।

खिलाड़ियों ने इस बार भी हासिल की ट्राफी

- पिछले वर्ष 2024 की वुमन्स चैंपियन गाजियाबाद की अंकिता गुप्ता ने इस वर्ष वुमन्स और यूथ गर्ल्स (अंडर-19) कैटेगरी में हिस्सा लिया। दोनों कैटेगरी में अंकिता रनर अप रहीं। अंकिता ने पिछले वर्ष 2024 में जूनियर गर्ल्स (अंडर-19) में भी हिस्सा लिया था और इसमें रनरअप रही थीं।
- पिछले वर्ष वुमन्स फाइनल में अंकिता गुप्ता से पराजित रहने वाली गाजियाबाद की ही दिशा ने इस वर्ष अंकिता को यूथ गर्ल्स (अंडर 19) कैटेगरी में हराकर चैंपियन बनीं।
- पिछले वर्ष 2024 में कैडेट बायज (अंडर 13) और होप्स बायज (अंडर 11) में विजेता रहे लखनऊ के लक्ष्य कुमार ने इस बार कैडेट बायज (अंडर 13) और सब जूनियर बायज (अंडर 15) कैटेगरी में हिस्सा लिया। लक्ष्य ने इस बार कैडेट बायज (अंडर 13) में खिताब जीता, जबकि सब जूनियर बायज (अंडर 15) में रनर अप रहे।
- पिछले वर्ष 2024 में होप्स गर्ल्स (अंडर 11) कैटेगरी की चैंपियन अंशिका गुप्ता इस वर्ष भी इस कैटेगरी के साथ कैडेट गर्ल्स (अंडर 13) में भी चैंपियन बनीं।

आरती चौधरी

कैश प्राइज में 75 हजार रुपये जीतने का मौका मिलेगा। इसके लिए सभी खिलाड़ी पहुंच चुके हैं। उद्घाटन समारोह के अंत में टूर्नामेंट के कंवीनर डा.सोवन मोहंती ने उद्घाटन समारोह में सभी अतिथियों का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। पहले दिन सब जूनियर ब्वायज (अंडर15), सब जूनियर गर्ल्स (अंडर15), यूथ ब्वायज (अंडर19), जूनियर ब्वायज (अंडर17), जूनियर बालिका (अंडर17) और मेन्स की स्पर्धाएं आरंभ हुई। 03 अगस्त को टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबलों के साथ पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर टूर्नामेंट के कंवीनर डा.सोवन मोहंती, डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के सेक्रेटरी श्याम कुमार, वाइस प्रिंसिपल डा.ऋतु सिंह, प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार, फार्मेसी विभाग के डीन डा.अमित कुमार शर्मा, चीफ प्रोक्टर डा.विवेक यादव, टूर्नामेंट आयोजन कमेटी के सदस्य और अन्य फैकेल्टी मेंबर्स भी मौजूद रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में और बढ़ाई गईं एमबीबीएस की 50 सीटें

बरेली: नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की ओर से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की 50 सीटों में वृद्धि की गई। इस फैसले से यहां एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 200 हो गई है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने एनएमसी के फैसले को सराहा और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नवंबर 2021 में एनएमसी की ओर से 50 सीटों की वृद्धि की गई थी। आज एनएमसी ने पत्र भेजकर यहां 50 सीटें बढ़ाने की फिर अनुमति प्रदान की। इससे विशेषज्ञ चिकित्सों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी जिससे मरीजों का स्तरीय उपचार आसान होगा। चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने के लिए सीटों में वृद्धि जरूरी थी।

एसआरएमएस को हिंदुस्तान आइकन्स अवार्ड

बरेली: समाचार पत्र हिंदुस्तान की ओर से स्वास्थ्य शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट को हिंदुस्तान आइकन्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यूरोप और एशिया सीमा पर स्थित देश जार्जिया की राजधानी त्बिलिसी में 23-24 अगस्त को आयोजित सम्मान समारोह में हिंदुस्तान अखबार के प्रधान संपादक शशि शेखर ने एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी और ट्रस्टी ऋचा मूर्ति जी को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड के सीआरओ रजत कुमार और सम्मान हासिल करने वाले देश के प्रमुख 29 संस्थानों के चेयरमैन व सीईओ मौजूद रहे।

सोनी इंडिया-रिद्धिमा के बीच एमओयू साइन

बरेली: कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए एसआरएमएस रिद्धिमा और सोनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हुए। इससे विभिन्न विधाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल इमेजिंग तकनीकों की जानकारी के साथ ही व्यावसायिक कौशल को निखारने में मदद मिलेगी। इस एमओयू से सोनी इंडिया चयनित डिजिटल इमेजिंग उत्पादों को शैक्षणिक उपयोग और छात्रों के अपने प्रोजेक्ट के लिए विशेष रियायती दरों पर उपलब्ध कराएगा। छात्र सोनी के अधिकृत चैनल पार्टनर के माध्यम से प्रमाणित दस्तावेजों के साथ इन उत्पादों को खरीद सकेंगे। इसके साथ ही यहां के विद्यार्थी सोनी वर्ल्ड फोटोग्राफी अवार्ड और फ्यूचर फिल्म मेकर अवार्ड जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर वैश्विक पहचान बना सकेंगे।

सीईटी (फार्मेसी) बरेली और पतंजलि हर्बल रिसर्च में एमओयू पर हस्ताक्षर

बरेली: पतंजलि हर्बल रिसर्च डिवीजन एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के साथ बरेली स्थित एसआरएमएस सीईटी (फार्मेसी) के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। देश में आयुर्वेदिक विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी इन दोनों संस्थानों के साथ सीईटी की रणनीतिक साझेदारी से फार्मास्युटिकल विज्ञान के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता, उद्योग-अकादमिक एकीकरण और अनुसंधान को बढ़ावा देने महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। इससे सीईटी फार्मेसी के छात्रों और संकाय सदस्यों को अब आयुर्वेदिक फार्मूलेशन, प्राकृतिक उत्पाद विकास और हर्बल औषधि मानकीकरण पर केंद्रित सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप के साथ ही यहां के विद्यार्थी पतंजलि की विश्वस्तरीय विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास इकाइयों के औद्योगिक दौरों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह साझेदारी पारंपरिक भारतीय औषधीय ज्ञान को आधुनिक औषधि शिक्षा के साथ एकीकृत करने में सहायता करेगी, जिससे स्वास्थ्य सेवा और औषधि विकास के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण को प्रोत्साहन मिलेगा।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हुआ रुहेलखंड क्षेत्र का पहला लिवर बाईपास

हल्द्वानी के राम सिंह को मिली जलोदर से मुक्ति

6 माह में राम सिंह के पेट से निकाला जा चुका था 50 लीटर पानी

- हल्द्वानी सहित कई शहरों में नामी अस्पतालों में इलाज के बाद राम मूर्ति अस्पताल पहुंचे राम सिंह
- गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा.शिवम गुप्ता व इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट डा.नम्रता सिंह ने किया स्वस्थ

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में रुहेलखंड क्षेत्र के पहले लिवर बाईपास के बाद मरीज राम सिंह के साथ गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा.शिवम गुप्ता, इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट डा.नम्रता सिंह, क्रिटिकल केयर इंचार्ज डा.ललित सिंह, एनेस्थीसिएसिस्ट डा.गीता कार्की, डा.नीरज प्रजापति, डा.अमित वार्ष्णेय और टीम के अन्य सदस्य।

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में रुहेलखंड क्षेत्र का पहला टिप्स (ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट) प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रोसीजर को आम बोलचाल में लिवर बाईपास के नाम से ज्यादा जाना जाता है। इससे छह माह से अधिक समय से जलोदर (पेट में तरल पदार्थ के जमाव) की समस्या से पीड़ित नैनीताल के गांव भुजियाघाट निवासी राम सिंह (44 वर्ष) का सफल उपचार हुआ। राम सिंह के उपचार में गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. शिवम गुप्ता और इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट डा. नम्रता सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों ने एनेस्थीसिया विभाग, क्रिटिकल केयर और मेडिसिन विभाग के सहयोग से 13 जुलाई 2025 को रुहेलखंड क्षेत्र का पहला ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया। दो दिन स्वस्थ लाभ के बाद डिस्चार्ज होकर राम सिंह अपने घर चले गए।

हल्द्वानी निवासी मदन सिंह बताते हैं कि उनकी पत्नी के भाई राम सिंह (44 वर्ष) काफी समय से पेट की समस्याओं से परेशान थे। थकान, जी मिचलाना, उल्टी और उल्टी में खून निकलना, पानी बनने से पेट का फूलना, पैरों में सूजन जैसी तकलीफ के इलाज के लिए करीब छह माह पहले उन्हें हल्द्वानी में दिखाया गया।

क्या है ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट

इंटरवेंशनल रेडियोलाजस्ट डा.नम्रता सिंह कहती हैं कि ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) कोई शल्य चिकित्सा प्रक्रिया नहीं है। यह लिवर में दो रक्त वाहिकाओं के बीच नया कनेक्शन बनाने की प्रक्रिया है। गंभीर स्थिति में लिवर के उपचार के लिए एक्स-रे की मदद से इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट इसका उपयोग करता है। इस प्रक्रिया में गर्दन की जुगुलर नस में कैथेटर डालते हैं। कैथेटर के सिरे पर एक छोटा गुब्बारा और एक धातु का जालीदार स्टेंट (नली) होता है। एक्स-रे मशीन की मदद से कैथेटर को लिवर की एक नस में ले जाया जाता है। और स्पष्ट देखने के लिए फिर नस में डाई (कंट्रास्ट पदार्थ) डालते हैं। इसके बाद स्टेंट की मदद से पोर्टल शिरा को एक लिवर शिरा से जोड़ा जाता है। इस प्रक्रिया में 60 से 90 मिनट लगते हैं।

क्यों पड़ती है टिप्स की जरूरत

गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा.शिवम गुप्ता कहते हैं कि लिवर सिरोसिस होने पर, लिवर से हृदय तक जाने वाली नस में रक्त के थक्के बनने पर, लिवर में अत्यधिक आयरन (हीमोक्रोमेटोसिस) होने पर, हेपेटाइटिस बी या हेपेटाइटिस सी की गंभीर स्थिति पर पोर्टल हाइपरटेंशन (पोर्टल शिरा का बढ़ा हुआ दबाव और बैकअप) होता है। गंभीर स्थिति में पेट, ग्रासनली या आंतों की नसों से रक्तस्राव होने के साथ ही पेट में तरल पदार्थ के जमाव (जलोदर) की समस्या भी हो जाती है। ऐसी स्थिति में मरीज के उपचार के लिए लिवर ट्रांसप्लांट और ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) जैसे दो ही विकल्प होते हैं। लिवर ट्रांसप्लांट बेहद खर्चीला होने के साथ ही डोनर की स्थिति पर भी निर्भर होता है। ऐसे में ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट का उपयोग किया जाता है।

जहां लिवर सिरोसिस का पता चला। फायदा न होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाया गया। वहां भी तकलीफ कम नहीं हुई। डाक्टरों ने उनके पेट से कई बार में करीब 40-50 किलो पानी जरूर निकाला। राम सिंह को 10 जुलाई को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज (राम मूर्ति अस्पताल) लाया गया। यहां पहले भी उनकी दूसरी तकलीफों का इलाज हो चुका था। गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. शिवम गुप्ता ने राम सिंह का इलाज शुरू किया। उनके पेट से फिर पानी निकाला। पूर्ण निदान के लिए डा.शिवम ने इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट डा.नम्रता सिंह विमर्श किया। जिन्होंने ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) प्रोसीजर अपनाने को कहा। राम सिंह और उनके तीमारदारों की सहमति के बाद 13 जुलाई 2025 को डा. नम्रता सिंह और डा. शिवम गुप्ता ने सफलतापूर्वक ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) प्रोसीजर किया। डा. शिवम कहते हैं कि रुहेलखंड क्षेत्र में पहली बार ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (TIPS) प्रोसीजर किया गया। इसे आम बोलचाल मे लिवर बाईपास के नाम से जाना जाता है। रुहेलखंड क्षेत्र का पहला लिवर बाईपास हमारे संस्थान में होना, हम सबके लिए बड़ी उपलब्धि है। अब हम इस क्षेत्र में इस तरह के अत्याधुनिक प्रोसीजर करने में सक्षम हैं।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में साइको डर्मेटोलाजी संगम 2025 का आयोजन

स्किन के मरीजों के इलाज में साइकोलाजी महत्वपूर्ण

स्मृति चिह्न

डॉ. कौशिक लाहिरी

डॉ. शुभ मोहन सिंह

डॉ. अभिनिता होस्थोता

बरेली: तनाव, चिंता और डिप्रेशन शरीर में हार्मोनल बदलाव लाते हैं। इससे मुंहासे, सोरायसिस, एक्जिमा के साथ ही बाल झड़ने जैसी स्किन संबंधी समस्याएं होती हैं। इसी तरह त्वचा संबंधी समस्याएं भी सौंदर्य को प्रभावित कर व्यक्ति के आत्मविश्वास में कमी लाकर डिप्रेशन की स्थिति में लाती हैं। दोनों स्थिति में दवाइयों के साथ काउंसलिंग की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में मरीज का उपचार साइकाइट्री और डर्मेटोलाजी दोनों विभागों के विशेषज्ञ संयुक्त रूप से करते हैं। दोनों विभागों को संयुक्त रूप से साइकोडर्मेटोलाजी कहा जाता है। यह बात श्रीराम मूर्ति स्मारक (एसआरएमएस) मेडिकल कालेज में साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) के प्रेसिडेंट डा.कौशिक लाहिरी ने कही। श्रीराम मूर्ति स्मारक (एसआरएमएस) मेडिकल कालेज में साइकाइट्री (मनोरोग विभाग) और डर्मेटोलाजी (त्वचारोग विभाग) की ओर से 23 अगस्त 2025 को एक दिवसीय सीएमई साइको डर्मेटोलाजी संगम 2025 आयोजित हुई। साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) और रुहेलखंड डर्मेटोलाजिकल सोसायटी बरेली के सहयोग से आयोजित इस सीएमई में विभिन्न राज्यों के त्वचारोग एवं मानसिक रोग विशेषज्ञों ने हिस्सा लेकर विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के साथ आरंभ सीएमई के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कोलकाता से आए साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) के प्रेसिडेंट डा.कौशिक लाहिरी ने एक दूसरे के मरीजों के उपचार में साइकाइट्री और डर्मेटोलाजी के विशेषज्ञों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि त्वचा संबंधी परेशानियां मानसिक स्थिति को प्रभावित करती हैं और प्रभावित मानसिक स्थिति त्वचा रोगों को जन्म देती हैं। ऐसे में मरीजों का उपचार किसी एक विभाग से न होकर दोनों विभागों के संयुक्त रूप से किया जाता है। इसलिए दोनों विभागों को संयुक्त रूप से साइकोडर्मेटोलाजी नाम दिया गया है। इसी का नतीजा साइको डर्मेटोलाजी संगम 2025 का आयोजन है। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने साइको डर्मेटोलाजी संगम को साइकाइट्री और डर्मेटोलाजी विभागों का संगम बताया। उन्होंने कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम की तरह ही आज साइको डर्मेटोलाजी संगम में भी विद्यार्थी डुबकी लगा कर ज्ञान का स्नान कर रहे हैं। इससे निसंदेह मरीजों को भी फायदा मिलेगा। साइकाइट्री और डर्मेटोलाजी के बीच गहरा संबंध है। क्योंकि त्वचा संबंधी समस्याएं सुंदरता पर दाग लगाती हैं और यह दाग चिंता का विषय बन कर डिप्रेशन पैदा करता है। ऐसे में साइकाइट्री की जरूरत पड़ती है। दोनों विभागों के संयुक्त उपचार से निसंदेह मरीज को अधिक फायदा होगा। इससे पहले उद्घाटन सत्र के आरंभ में इंदू परडल ने सर्वे भवंतु सुखिन: से सभी को निरोग रखने की कामना की। आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.पीके परडल ने सीएमई में सभी का स्वागत किया और आयोजन के बारे में जानकारी देने के साथ ही दोनों विभागों की संयुक्त चुनौतियों को भी बताया। कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि सीएमई और वर्कशाप से विद्यार्थियों की जानकारी में इजाफा होता है, इसलिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में सीएमई और वर्कशाप पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस वर्ष यहां अब तक 27 सीएमई और वर्कशाप का आयोजन हो चुका है। उद्घाटन सत्र के समापन पर सीएमई के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.मधुरकांत रस्तोगी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और सभी का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा.रूपाली रोहतगी ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट एडवाइजर सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन पीजी डा. रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डा.वीके चावला, डा.सुधांशु मोहन शुक्ला, सीएमई के आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.प्रतीक गहलोत, को आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.दीपक चरन, सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर दिए व्याख्यान

सीएमई में मुख्य अतिथि कोलकाता से आए साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) के प्रेसिडेंट डा.कौशिक लाहिरी, बेंगलुरु से आई साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) की सेक्रेटरी डा. अभिनिता होस्थोता, डा.तरुण नारंग, पीजीआई चंडीगढ़ से आए और साइकोडर्मेटोलाजी एसोसिएशन आफ इंडिया (पीडीएआई) के इलेक्ट प्रेसिडेंट डा.शुभ मोहन सिंह, मेजर (डा.) शिव प्रसाद डी, डा.सुप्रिया डीसिल्वा, अर्चना धनकर, अजेता जोशी और सीएमई के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.मधुरकांत रस्तोगी ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

त्वचा संबंधी परेशानियों से ज्यादा प्रभावित होती है मरीज की मानसिक स्थिति, चिंता और डिप्रेशन से होने वाला हार्मोनल बदलाव डालता है त्वचा पर दुष्प्रभाव

विश्व फैटी लिवर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

सक्रिय जीवन शैली और संतुलित खानपान जरूरी

शुरू में फैटी लिवर के लक्षण स्पष्ट न होने से नहीं होती खराब होने की जानकारी

जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी और फैकल्टी

डॉ. नीरज प्रजापति, डॉ. वत्स गुप्ता, डॉ. शिवम शर्मा, डॉ. एम.एस. बुटोला, डॉ. स्मिता गुप्ता, डॉ. श्रुति शर्मा

बरेली: फैटी लिवर तेजी से बढ़ती हुई वैश्विक महामारी है। आरंभ में लक्षण स्पष्ट न होने से लिवर के खराब होने की जानकारी नहीं होती। दूसरे या तीसरे चरण में पहुंचने पर फैटी लिवर के लक्षण प्रतीत होते हैं। तभी इसके बारे में पता चलता है। यही वजह है कि यह तेजी से बढ़ता जा रहा है। फैटी लिवर से पीड़ित 70 फीसद रोगी मोटापे से ग्रस्त मिलते हैं। 75 फीसद को टाइप 2 डायबिटीज और 20-80 फीसद में हाइपरलिपिडिमिया से ग्रसित होते हैं। अनियंत्रित होने पर फैटी लिवर लिवर सिरोसिस से लेकर लिवर कैंसर तक की वजह बन सकता है। आरंभिक चरणों में फैटी लिवर का पूरी तरह निदान संभव है। बस इसके लिए सक्रिय जीवन शैली और संतुलित खानपान की जरूरत है। यह बात एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 12 जून को विश्व फैटी लिवर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कही। एसआरएमएस के जनरल मेडिसिन विभाग की गैस्ट्रोएंटरोलाजी यूनिट द्वारा 'विश्व फैटी लिवर दिवस' पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम हुआ। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह मरीजों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श कैंप लगाया गया और शाम को एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक व्याख्यान हुए। विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर में मरीजों को फैटी लिवर से संबंधित समस्याओं की जांच, परामर्श और आहार संबंधी सुझाव प्रदान किए गए। मरीजों को खानपान में सावधानियां बरतने, फास्ट फूड का सेवन छोड़ने और खाने में फल और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने का भी सुझाव दिया गया। विशेषज्ञों ने सक्रिय जीवन शैली के साथ नियमित एक्सरसाइज अपनाने की भी सलाह दी। शाम को फैटी लिवर और इसका प्रबंधन विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान हुआ। व्याख्यान की थीम खाना ही दवा है पर गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. वत्स गुप्ता ने फैटी लिवर का परिचय देने के साथ इसके संबंध में मुख्य जानकारियों की जानकारी दी। उन्होंने अन्य दिल, डायबिटीज और अन्य गंभीर बीमारियों पर फैटी लिवर के दुष्प्रभावों को बताया। लिवर के खराब होने के चरणों की जानकारी के साथ इससे होने वाले नुकसान को भी बताया। एंडोक्रिनोलाजिस्ट डा. श्रुति शर्मा ने मेटाबोलिक सिंड्रोम की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मोटापा क्या है से अपना व्याख्यान आरंभ किया और इसकी वजहों की भी जानकारी दी। शरीर में चर्बी के वितरण और बीएमआई से इसकी जांच पर भी उन्होंने विस्तृत जानकारी दी। रेडियोलाजिस्ट डा. नीरज प्रजापति ने फैटी लिवर की इमेजिंग और हालिया प्रगति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने फैटी लिवर की विभिन्न जांच तकनीकों के बारे में व्याख्यान दिया। फैटी लिवर क्राइटेरिया के बारे में बताया और कहा कि आरंभ में लक्षणों के स्पष्ट न होने से इसकी जानकारी नहीं होती और यही वजह है ज्यादातर लोगों को पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर फैटी है। ऐसे में नियमित जांच करवाना जरूरी है। गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. शिवम गुप्ता ने फैटी लिवर के निदान और उपचार पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हर मरीज के लिए अलग अलग निदान को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सभी के उपचार में एक ही बात कामन है और वह है विटामिन ई का सेवन। डा.शिवम ने कहा कि लिवर फैटी होने पर दवाइयां तो आवश्यक हैं ही लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है सक्रिय जीवन शैली और संतुलित खानपान। खानपान में फाइबर, प्रोटीन को बढ़ाने के साथ नियमित एक्सरसाइज से लिवर को फैटी होने से रोका जा सकता है। व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता जनरल मेडिसिन विभाग की एचओडी डा. स्मिता गुप्ता ने की। इस अवसर पर कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डा. शरद जौहरी, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, डा.विद्यानंद, डा.मीनाक्षी जिंदल, डा.हर्षित अग्रवाल, सहित विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य, सीनियर रेजिडेंट्स और जूनियर रेजिडेंट्स के साथ एमबीबीएस विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसआरएमएस में दो दिवसीय जेनिटोयूरिनरी पैथोलाजी अपडेट 2025 आयोजित

जितनी सटीक जांच, उतना सटीक इलाज

हर वर्ग तक पहुंच कर स्वस्थ समाज के निर्माण में लगा एसआरएमएस: देव मूर्ति

पैथोलॉजी अपडेट में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी

बरेली: मेडिकल साइंस की तरक्की के कारण आज मरीजों को बेहतर इलाज मिल रहा है, लेकिन बेहतर इलाज तभी संभव है जब जांच सटीक हो। इसके लिए बीमारियों की जांच करने वाली पैथोलाजी और रेडियोलाजी जैसी ब्रांच का अपडेट रहना बेहद जरूरी है। दो दिवसीय जेनिटोयूरिनरी पैथोलाजी सीएमई में विशेषज्ञों के व्याख्यानों से खुद को अपडेट करना और वर्कशाप में उनसे सीखना इसी का हिस्सा है। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने कही। उन्होंने कहा कि इसका फायदा डाक्टरों के साथ ही मरीजों को भी मिलेगा।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 26 जुलाई 2025 को दो दिवसीय सीएमई जेनिटोयूरिनरी पैथोलाजी अपडेट 2025 का आयोजन हुआ। पैथोलाजी विभाग की ओर से आयोजित इस सीएमई और वर्कशाप में देश के नामचीन पैथोलाजिस्ट शामिल हुए। पहले दिन उद्घाटन सत्र के साथ ही सीएमई में ब्लैडर और प्रोस्टेट एवं किडनी और टेस्टिस विषय पर विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान दिए। दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के साथ उद्घाटन सत्र आरंभ हुआ। इसमें एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बीमारियों की रोकथाम पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले आज के समय बीमार होने पर दवाइयों से स्वस्थ होना आसान है। लेकिन स्वस्थ रहने के लिए बीमारियों से बचे रहना ज्यादा ठीक है। एसआरएमएस ट्रस्ट इसी को ध्यान में रखते हुए हर वर्ग और हर परिवार तक पहुंच कर सभी की हेल्थ कुंडली बना रहा है। जिससे समय रहते बीमारियों का पता लगा और उनकी रोकथाम कर स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके। उद्घाटन सत्र में प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने मेडिकल कालेज की उपलब्धियों का जिक्र किया और एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित जनहित की योजनाओं की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर दिल्ली के प्रोफेसर (डा.) गुरुदत्त गुप्ता ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मरीजों की बढ़ती संख्या को संस्थान पर भरोसे की वजह बताया। उन्होंने यहां संचालित जनहित की योजनाओं और शैक्षिक गतिविधियों की भी तारीफ की। विशिष्ट अतिथि टाटा मेमोरियल कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई के डा.संतोष मेनन ने भविष्य की तैयारियों के लिए युवा पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा सीखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीएमई और वर्कशाप युवा डाक्टरों के लिए बेहतर अवसर है जहां विशेषज्ञों का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सकता है। इसके लिए जागरूक और जिज्ञासु होना जरूरी है। यहां पर ऐसी ही युवा पीढ़ी के डाक्टरों से मिलने का अवसर मिला।

स्मृति चिह्न

डॉ. गुरूदत्त गुप्ता

डॉ. संतोष मेनन

डॉ. मीनाक्षी कंबोज

दो दिवसीय जेनिटोयूरिनरी पैथोलाजी अपडेट 2025 में सीएमई में टाटा मेमोरियल कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई के डा. सुभाष यादव एवं डा.स्वप्निल राने, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर (डा.) गुरुदत्त गुप्ता एवं डा.मीनाक्षी कंबोज और टाटा मेमोरियल कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई के संतोष मेनन ने दो सत्रों में ब्लैडर व प्रोस्टेट एवं किडनी व टेस्टिस पर व्याख्यान दिए। उद्घाटन सत्र में सभी अतिथियों का स्वागत सीएमई की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन एवं पैथोलाजी विभाग प्रमुख डा.तनु अग्रवाल ने किया। अंत में सीएमई की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सुरभि पांडेय ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उद्घाटन सत्र का संचालन सीएमई की ट्रेजरार डा.इरा भारद्वाज ने किया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन पीजी डा.रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, सभी विभागाध्यक्ष और आर्गनाइजिंग कमेटी के सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य, पीजी स्टूडेंट और डेलीगेट्स मौजूद रहे।

‘सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही हासिल कर पाते है’ विषय पर व्याख्यान

सफलता और खुशी पर व्याख्यान देते आध्यामिक गुरु सुंदर गोपाल प्रभु

बरेली: अलग- अलग व्यक्तियों के लिए सफलता के मायने अलग- अलग हैं। कोई धन- संपत्ति को सफलता मानता है तो कोई बड़े पद को। किसी के लिए संबंध महत्वपूर्ण हैं तो किसी के लिए संतुष्टि ही सफलता का पर्यायवाची। आप कुछ भी हों, किसी भी पद पर हों, आपके पास कितना भी पैसा और प्रभाव क्यों न हो, अगर खुशी नहीं है तो आप सफल नहीं है। ज्यादातर लोग शारीरिक रूप से हासिल भौतिक उपलब्धियों को सफलता मान लेते हैं, लेकिन यह वास्तव में सफलता नहीं हैं। यह बात ‘सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही हासिल कर पाते हैं’ विषय पर दिए व्याख्यान में इस्कान के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद के शिष्य, इस्कान इंडिया यूथ काउंसिल के अध्यक्ष, उत्तरी भारत डिवीजन काउंसिल के अध्यक्ष, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य बिहार के लिए जोनल पर्यवेक्षक, इस्कान यूथ फोरम दिल्ली (आईवाईएफ) के निदेशक आध्यात्मिक गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने कही। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता और खुशी के मायने बताए।

श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में चार जून को मोटिवेशनल व्याख्यान हुआ। इसमें गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, पैरामेडिकल, नर्सिंग और ला के विद्यार्थियों को सफलता के निहितार्थ बताये। उन्होंने कहा कि सफलता से पहले हमें समझना पड़ेगा कि यह है क्या। क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सफलता अलग- अलग है। अगर सफलता एक ही तरह की होती तो सभी सफल हो जाते, लेकिन ऐसा है नहीं क्योंकि कुछ लोग ही सफल हैं। ज्यादातर लोग लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करते हैं, समाज इसे सफलता हासिल करना कहता है और यह सफलता का सामान्य नियम है भी। पिछले दिनों दो खबरों पर आपने भी गौर किया होगा। जिसमें एक खबर करियर में सफल एक आईएएस की आत्महत्या की थी, दूसरी एक सफल बिजनेसमैन के आत्महत्या की। क्या इनके पास धन-सम्पत्ति और रुतबा नहीं था। सब कुछ था इनके पास, लेकिन नहीं थी तो खुशी। सिर्फ पैसा हासिल करना, करियर में सफल होना सफलता नहीं। खुशी सबसे महत्वपूर्ण है। खुशी के लिए परिवार के साथ सकारात्मक संबंध होना जरूरी है। लेकिन ऐसी खुशी भी अस्थायी है। स्थायी खुशी शरीर या मन से नहीं मिलती। वह आत्मा से मिलती है। क्योंकि आत्मा का स्वभाव ही सत चित आनंद है। जिसने अपने जीवन का लक्ष्य तलाश लिया, स्थायी खुशी उसे मिल जाती है। जीवन का लक्ष्य तलाशने के लिए पहला सवाल होना चाहिए कि हम क्यों जी रहे हैं ? हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है ? जब ईश्वर ने अकारण कुछ भी नहीं बनाया तो हमें क्यों बनाया ? इसलिए आवश्यक है कि हम स्थायी खुशी तलाशे। जीवित रहने के लिए कुछ कार्य करने होते हैं। पैसा कमाना, परिवार की जरूरतें पूरी करना सब जरूरी कार्य हैं, लेकिन यह जीवन का उद्देश्य नहीं हो सकते। परिवार महत्वपूर्ण है। सकारात्मक संबंध महत्वपूर्ण हैं। इसे संजोना भी जरूरी है। इसके लिए भी संतुष्ट रहना पहली शर्त है। संबंधों को सहेजने की, उन्हें सम्मान देने की कला हम सबको सीखनी चाहिए। गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने सफलता, खुशी, करियर सहित विषयों पर विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए और उनकी जिज्ञासाएं शांत कीं। इस मौके पर इस्कान बरेली के जीएम भीमा अर्जुनदास, ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एमएस बुटोला, डा.अनुज कुमार सहित फैकल्टी मेंबर मौजूद रहे।

--- सफलता का संदेश ---

- सफलता के मायने अलग, किसी के लिए संपत्ति सफलता है तो किसी के लिए पद प्रतिष्ठा
- किसी के लिए परिवार और मित्रों का संबंध ही सफलता तो किसी के लिए आत्म संतुष्टि
- पैसा कमाना, परिवार की जरूरतें पूरी करना जरूरी कार्य, लेकिन यह जीवन का उद्देश्य नहीं
- परिवार और मित्र को संजोना जरूरी, इनसे मिलती है खुशी, सकारात्मक संबंध महत्वपूर्ण
- संबंधों को सहेजने के लिए सम्मान देने की कला सीखना सबसे जरूरी, संबंध आवश्यक है
- खुशी के लिए संबंध महत्वपूर्ण और संबंधों के लिए सम्मान एवं संतुष्टि प्राथमिक शर्त

‘साहित्य सरिता’ और ‘बज्म ए सुखन’ से नवोदित कवियों और शायरों की खोज

कवि सम्मेलन और मुशायरों की रवायत का आगाज

15 जून को साहित्य सरिता में उपस्थित कवि

बरेली: नृत्य, संगीत, कला, अभिनय, फोटोग्राफी को समर्पित श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में पिछले महीनों में नई रवायत का आगाज हुआ। यह परंपरा थी अपने गीतों और कलाम से आम लोगों की आवाज बन समस्याओं को उठाने, जनभावनाओं को झकझोरने और द्रवित हृदयों को जोड़ने में महारथी कवियों और शायरों की युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने की। एसआरएमएस ट्रस्ट ने इसका बीड़ा उठाया और कविओं और शायरों को रिद्धिमा का मंच प्रदान किया। बज्म ए सुखन और साहित्य सरिता कार्यक्रम से श्रोताओं को बरेली और आसपास के नवोदित शायरों और कवियों से रूबरू होने का मौका मिला। जिसके तहत जून से लेकर अगस्त तक पिछले तीन माह में 3-3 कार्यक्रम हुए, इनमें बरेली और आसपास के कवियों और शायरों को वाहवाही मिली। रिद्धिमा का मंच मिलने पर उन्होंने भी खुशी जाहिर की और इसके लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी व रिद्धिमा परिवार को शुभकामनाएं दीं।

कवि व लेखक अभिषेक चित्रांश ने स्वलिखित पुस्तकें भेट की

पहली जून को बज्म ए सुखन की पहली महफिल के बाद 3 जुलाई और 10 अगस्त को शायरी की शाम सजी। इसमें शायर मोहम्मद मुदस्सर हुसैन उर्फ गुलरेज तुराबी, शायर हाली अब्बास जैदी उर्फ हानी बरेलवी, आसिफ हुसैन रिजवी उर्फ शायर समीर भाई, शायरा रिजवाना बी, खैराबाद के शायर अफजल यूसुफ, शायर जीशान हैदर, शायर सज्जाद हैदर, शायर सलमान आरिफ, बदायूं के शायर ज़ुबैर मिर्जा, दिल्ली की शायरा मुस्कान मजीद, बिलाल राज बरेलवी, दिल्ली के अभिनव अतीक ने अपने कलाम सुना कर श्रोताओं की तालियां से हौसला अफजाही हासिल की। रिद्धिमा में कवियों के लिए साहित्य सरिता कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस श्रंखला में 15 जून, 17 जुलाई और 17 अगस्त को कवि सम्मेलन हुए। इसमें प्रयागराज के कवि ज्ञानेंद्र शर्मा प्रयागी, भोजीपुरा के युवा कवि शक्ति सिंह, बरेली की युवा कवियत्री उन्नति राधा शर्मा, बदायूं के युवा कवि विवेक मिश्रा, बदायूं के युवा कवि शतवदन शंखधार, कवियत्री स्नेह सिंह, बरेली के कवि विश्वजीत सिंह निर्भय, कवि और लेखक अभिषेक चित्रांश, लखनऊ के कवि दिव्यांश रावत, शाहजहांपुर के उमेश शाक्य, बदायूं के अखिलेश

एक जून को बज्म ए सुखन में उपस्थित शायर

बज़्म ए सुखन

10 अगस्त 2025

3 जुलाई 2025

साहित्य सरिता

17 जुलाई 2025

17 अगस्त 2025

22 जून 2025 – स्वर अर्पण में गायन गुरुओं और विद्यार्थियों छेड़े तराने

8 जून 2025 – नृत्यांकुर में भरतनाट्यम के गुरुओं और विद्यार्थियों ने संभाला मंच

ठाकुर, बरेली के डा. कमलकांत तिवारी, अंकित तुलसी, अंशु गुप्ता, बहेड़ी की कवियत्री डा. लवी सिंह, शाहबाद (हरदोई) के करुणेश दीक्षित, बरेली के कमल सक्सेना, बरेली, बदायूं के उज्ज्वल वशिष्ठ, बदायूं की सरिता सिंह और पवन शंखधार जैसे नवोदित कवियों ने रिद्धिमा के मंच से अपने गीतों और मुक्तकों के माध्यम से कविता के सभी रंगों की बरसात की। कवियों ने देशभक्ति, माता–पिता के त्याग, बेटी, सामाजिक सद्भाव, भ्रष्टाचार और प्रेम को केंद्रित कर कविता पाठ किया। अपने कविता पाठ के दौरान हर कवि को हर पंक्ति पर दर्शकों की वाह वाह और हर अंतरे पर तालियां मिलीं। इसके साथ ही रिद्धिमा में कथक, भरतनाट्यम, इंस्ट्रूमेंट, गीत संगीत के कार्यक्रमों के साथ ही नाटकों का भी मंचन हुआ। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, डा.रजनी अग्रवाल, गुरु मेहरोत्रा, कवियत्री सोनरूपा विशाल, कवि रोहित राकेश, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा.शरद जौहरी, डा.पीके परडल, डा.मनोज टांगड़ी, डा. विद्या नंद, डा. रीता शर्मा, दीपेंद्र कमथान और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

29 जून 2025 – कलयुग की यशोधरा में पति को सौंपी माता पिता की जिम्मेदारी

11वीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में 6 जुलाई 2025 को 11वीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। अमूर्त (ABSTRACT) शीर्षक से आयोजित इस प्रतियोगिता में दो अलग अलग वर्गों में रिद्धिमा में फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सभी ने सुंदर चित्र बनाए, जिन्हें रिद्धिमा के म्यूजियम में प्रदर्शित किया गया। प्रतियोगिता में विजेता का निर्णय 27 जुलाई को हुआ। जिसमें पहले वर्ग में अमायरा और दूसरे वर्ग में सिद्दि की पेंटिंग को प्रथम स्थान के लिए चुना गया। पहले वर्ग में मंतिका को दूसरा स्थान और प्रत्युषा को तीसरा स्थान मिला। दूसरे वर्ग में प्रिशा की पेंटिंग ने दूसरा और जुबिया की पेंटिंग को तीसरा स्थान मिला। विजयी प्रतिभागियों के साथ प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सर्टिफिकेट प्रदान किए। इस अवसर पर ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, सुभाष मेहरा, डॉ. रीता शर्मा और चित्रकला गुरु सौरभ रस्तोगी उपस्थित रहे।

31 अगस्त 2025 – नाटक द्वन्द में मां-बाप को समय और सम्मान देने का संदेश

24 अगस्त 2025 – तरंगिनी में भरतनाट्यम के गुरुओं और विद्यार्थियों का अद्भुत प्रदर्शन

20 जुलाई 2025 – कथक नृत्य की शाम 'रिमझिम गिरे सावन'

6 जुलाई 2025 – इंस्ट्रूमेंटल कार्यक्रम रैनबो में हिंदुस्तानी शास्त्रीय और पाश्चात्य संगीत का फ्यूजन

27 जुलाई 2025 – नाटक भंवर ने दिया जीवन के अनमोल होने का संदेश

3 अगस्त 2025 – गायन वादन के कार्यक्रम सूफी स्कोर में झूमें श्रोता

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एआई से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति पर सीएमई

छोटा सा दिमाग अभी तक रहस्य: देव मूर्ति

एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन करते चेयरमैन देव मूर्ति जी व अतिथि

बरेली: आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बोलबाला है। इसकी क्षमताओं, विशेषताओं और उपयोगिता पर कोई संदेह नहीं, लेकिन यह ईश्वर के बनाए इंसान से बढ़ कर नहीं। अभी तक इंसान छोटे से दिमाग को नहीं समझ पाया। 2.5 गीगाबाइट की क्षमता वाले दिमाग के ज्यादातर रहस्य अभी अनजान हैं। एआई का दौर संभव है दिमाग के रहस्यों को समझने में मदद करे। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने एआई से न्यूरोएनाटामी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर आयोजित सीएमई में कही। सीएमई में देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका को सराहा और इसे महत्वपूर्ण बताया। सीएमई में एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन किया गया।

स्मृति चिह्न

डॉ. नवनीत चौहान

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 12 जुलाई 2025 को एनाटामी विभाग की ओर से एआई से न्यूरोएनाटामी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर सीएमई हुई। इसमें इसमें देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर विभिन्न व्याख्यान दिए। सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के साथ चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, सीएमई की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन व एनाटामी विभागाध्यक्ष डा.नमिता मेहरोत्रा, आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.शंभू प्रसाद, विशिष्ट अतिथि डा.नवनीत चौहान ने दीप प्रज्वलित कर सीएमई का उद्घाटन किया। डा.नवनीत ने सीएमई को सराहा और इसे एमबीबीएस विद्यार्थियों के साथ ही एसआर और फैकल्टी के लिए भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उपलब्ध उच्च कोटि की सुविधाओं और इससे मरीजों को होने वाले लाभ को भी सराहा। कहा कि आज स्वास्थ्य शिक्षा और मरीजों के उपचार में एसआरएमएस का नाम देश से बाहर भी बेहद सम्मान से लिया जाता है। इसके लिए यहां का प्रबंधन और कुशल चिकित्सक बधाई के पात्र हैं। इससे पहले कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने अतिथियों को संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने इंडिया टुडे की हालिया रैंकिंग में एसआरएमएस को मिले 37वीं रैंक और आउटलुक की ओर से हास्पिटल को मिले 13वें रैंक का जिक्र किया। सीएमई की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन व एनाटामी विभागाध्यक्ष डा.नमिता मेहरोत्रा ने सभी का स्वागत किया और सीएमई के बारे में जानकारी दी। सीएमई में एम्स ऋषिकेश की प्रोफेसर (डा) रश्मि मल्होत्रा ने डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में सुधार पर व्याख्यान दिया। विम्हंस हास्पिटल नई दिल्ली के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डा.महीप सिंह गौर ने स्टीरियोटैक्टिक, रेडियोसर्जरी, बेसिक और एआई एप्लिकेशन विषय पर अपनी बात रखी। आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर (डा.) संजीव कुमार ने ब्रेन इमेजिंग के लिए एआई जेनेरेटिव माडल और गहन शिक्षण पर अपना लेक्चर दिया। एम्स नई दिल्ली के एनाटामी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) ए शरीफ और डा.अशोक सहाय (आस्ट्रेलिया) सीएमई में वर्चुअल रूप से शामिल हुए और आनलाइन व्याख्यान दिया। एम्स देवघर के एसोसिएट प्रोफेसर (डा.) अर्पण हालदार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए शैक्षणिक अनुसंधान और शैक्षिक अनुसंधान में परिवर्तनकारी तालमेल, तंत्रिका संबंधी निदान और प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सभी ने एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन किया। उद्घाटन सत्र में इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डा.शरद जौहरी, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सीएमई के कोआर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.धनंजय कुमार, डा.समता तिवारी सभी विभागाध्यक्ष, एसआर, जेआर, एमबीबीएस विद्यार्थी मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र का संचालन एनाटामी विभाग की डा.कंचन बिष्ट ने किया।

The Power of Personal Development

Personal development is the conscious journey of improving self-awareness, skills, and mindset to achieve life goals. It begins with self-reflection-understanding strengths, weaknesses, and aspirations-allowing individuals to align actions with vision for purposeful living. Continuous learning, skill enhancement, and emotional intelligence build adaptability and stronger relationships. Discipline and time management improve productivity, while a growth mindset fosters resilience by turning failures into opportunities. Ultimately, personal development enhances confidence, career prospects, and life satisfaction. By embracing growth, individuals unlock their potential, contribute positively to society, and create meaningful, impactful lives in today's competitive world.

- Nilakshi Singh
BBA 1st year
IBS Lucknow

Balancing College & Entrepreneurship: My Journey with Edita

Managing both college and building my agency, Edita, has been the toughest yet most rewarding journey of my life. As a student of BBA, my days start early with lectures and assignments, and often stretch late into the night with client projects, team meetings, and creative deadlines. Balancing the two is never easy, but it has taught me the true meaning of discipline and consistency.

While my friends spend their evenings relaxing, I dedicate mine to building Edita. From reaching out to international clients, closing deals, managing my team, to editing content that speaks for itself every day feels like a new challenge, and every challenge makes me stronger.

There are days when I am exhausted, when college demands and client expectations clash, but I remind myself that this hustle is the foundation of my future.

Time management has become my biggest strength. Instead of complaining about lack of time, I have learned to prioritize, to sacrifice short-term comfort for long-term vision. College has given me knowledge, but Edita is giving me experience the kind that shapes entrepreneurs.

I believe being a student-entrepreneur is not about having a perfect balance, but about having the courage to embrace the chaos and turn it into growth. Through this journey, I have discovered that passion and persistence can create miracles, even when resources are limited.

This is just the beginning of my story one where I'm not just studying business, but living it every single day.

- Lakshya Chandravi
BBA Final, IBS

Tips for First Year Students to Adjust in College

The transition from school to college marks an important milestone in a student's life. While it brings excitement, it also comes with challenges such as adapting to a new environment, building relationships, and balancing academics with personal growth. To make this journey smoother, first-year students can keep in mind a few essential guidelines.

Firstly, it is important to be open to new experiences. Participating in college events, joining clubs, and interacting with peers provide opportunities to explore interests and expand networks. Alongside this, effective time management ensures a healthy balance between studies, extracurricular activities, and rest.

Equally significant is the ability to build positive relationships. Seniors, faculty members, and classmates can provide valuable guidance and support. Staying organized, maintaining discipline in studies, and being proactive in clearing doubts are habits that will go a long way. Students should also prioritize their physical and mental well-being, as a healthy lifestyle directly contributes to better academic performance.

Above all, it is essential to remain confident and true to oneself. Initial homesickness or feelings of stress are natural, but with patience and perseverance, students gradually adapt. College is not only about academic achievements but also about personal growth, lifelong friendships, and discovering one's potential.

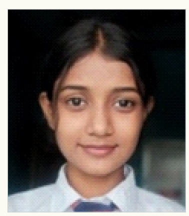

- Nidhi Rai, BBA 3rd year, SRMS IBS

Sustainable living: Small steps to a greener tomorrow

Imagine a world where daily choices don't harm the planet, but help it thrive. Sounds like a dream, right? But what if I told you that making a difference is easier than you think? Sustainable living isn't just a buzzword; it's a way of life that's crucial for our planet's survival.

The Food Waste Challenge:Think about it, how often do you throw away food that's still good? By planning your meals, storing food properly and donating excess, you can significantly reduce waste. Everyday changes, Big impact,You might think that sustainability requires grand gestures, but it's the small changes that add up. Using reusable bags, turning off the tap while brushing your teeth, and switching to energy - efficient appliances might seen like tiny steps, but they are powerful.

A greener future starts with you As student and young professionals, you have a unique opportunity to shape the future. By embracing sustainable living, you are not just helping the environment, you are also setting an example for others. It's about making conscious choices that benefit both our planet and our communities.Sustainability is about the choice we make everyday. So, what will you choose today?

- Upasana Yadav
BBA 2nd Year, IBS

The Colorful World of Indian Cultural Dances

India is a land where every step and rhythm tells a story. From classical traditions rooted in spirituality to folk dances celebrating community life, Indian dance forms reflect the country's cultural richness.

The classical dances of India are deeply tied to devotion and mythology. Bharatanatyam of Tamil Nadu is known for its graceful poses and storytelling, while Kathak from Uttar Pradesh blends swift footwork with expressive gestures. Kerala offers two gems-Kathakali, famous for its painted faces and drama, and Mohiniyattam, known for its feminine grace. Odisha's Odissi resembles temple sculptures, Andhra Pradesh's Kuchipudi mixes dance with theatre, Assam's Sattriya evolved from monastery rituals, and Manipur's Manipuri enchants with delicate movements inspired by Radha-Krishna tales.

Equally vibrant are India's folk dances, performed during festivals and celebrations. Bhangra from Punjab bursts with energy, while Gujarat's Garba and Dandiya Raas light up Navratri nights. Rajasthan's Ghoomar is a swirl of color, and Maharashtra's Lavani is lively and bold. Assam rejoices with Bihu, Karnataka mesmerizes with Yakshagana, and eastern India showcases the martial artistry of Chhau.

Together, these dances are more than entertainment-they are India's living heritage, expressing devotion, joy, and identity. Whether in a temple courtyard or on a global stage, Indian cultural dances continue to unite people and celebrate diversity with rhythm and grace.

- Mahima Singh
BBA, 3rd Year, IBS

Feminism: A Movement

Feminism is the notion for the social, economic and political equality for all sexes, especially for women. Although its origin comes from the west in the late 18th century, but it is represented more or less by every other individual now. It was never same for women back then in the past as it was for men. The most mediocre of males feels themselves a demigod as compared to woman.

The thought of starting this movement wasn't an overnight and random thought. It was a pile of atrocities on women from the society, as not believing them to be capable. Women weren't allowed to have abstract thought and reasoning and were debarred from having education and even political rights. It was even illegal to pay same amount of salary to women as man for the same job. There have been instances and proofs for the oppression such as in "A Vindication of the Rights of Woman" by Mary Wollstonecraft in 1792 & "The Second Sex". The phrases used such as "tyranny of man" depicts how much callous behaviour men had towards women. The sense of patriarchy has always been a kind of conventional received thought and behaviour, which is never questioned and confronted. It needs to be changed from the very beginning of a person's upbringing. In so far misogynistic behaviour is concerned it is the hatred towards women.This not only comes from a man point of view but also from women. Sexism and internalized misogyny are rooted within because of the constant perpetuated stereotypical thought that women hear. Women have been blithely relegated to lower status throughout.

Now things are changing and visible proliferation in better rights for women are maintained, people have expiated many laws in the women's interest giving them the opportunity and liberty they were always entitled for. "CHANGE COMES FROM WITHIN, AND WE SHOULD ALWAYS BE THE FIRST TO DO SO.

- Ankush Singh
BBA 1st YEAR, IBS

गणेश चतुर्थी पर एसआरएमएस सीईटी में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

आईपीएस की टीम ने जीता 2100 रुपये का नकद पुरस्कार

प्रथम स्थान - आईपीएस (ट्विंकल, अनुशा, अंशिका, क्षमा, रिया, अंशिका, निहारिका, आयुषि, राधिका, जिया, प्रयांशी, अभय, भूपेश, जयदेव, शत्रुघ्न)

- दूसरे स्थान पर रही सीईटी की इंजीनियरिंग टीम, मिला 1500 रुपये का नकद पुरस्कार
- सीईटी की एमसीए बीसीए टीम को तीसरे स्थान के साथ मिला 1000 रुपये का पुरस्कार

बरेली: एसआरएमएस सीईटी में गणेश चतुर्थी के अवसर पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल (आईपीएस) की टीम को पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) की इंजीनियरिंग की टीम रही, जबकि तीसरा स्थान एसआरएमएस सीईटी की एमसीए बीसीए टीम को हासिल हुआ। तीनों टीमों ने ट्राफी के साथ क्रमश: 2100, 1500 और 1000 रुपये नकद पुरस्कार भी प्राप्त किया।

बरेली स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में 28 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गणेश उत्सव पर आधारित नृत्य प्रतियोगिता रही, जिसमें श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की संस्थाओं सीईटी, आईएमएस, आईपीएस, नर्सिंग, फार्मेसी और सीईटीआर के छात्र-छात्राओं की आठ टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, डीन प्लेसमेंट सेल डा.अनुज कुमार, डीन फार्मेसी अमित कुमार शर्मा ने किया। एसआरएमएस ट्रस्ट की आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रभाकर गुप्ता, आईपीएस की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुथु महेश्वरी ने विजेता टीमों को ट्राफी के साथ सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए। नृत्य प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल में शामिल ऋचा मूर्ति जी, पूर्णिमा वेणुगोपालन और डा. आशीष कुमार ने किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों के डीन एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

द्वितीय स्थान-इंजीनियरिंग (सीईटी)

खुशी, निमिशा शर्मा, सिमरन मिश्रा, शिवि अरोरा, अर्पित सिंह, गौरी शर्मा, सुहानी श्रीवास्तव, अक्षरा श्रोत्रिया, इशान गोयल, मोहित कुमार, जैनुल, वेदांत सक्सेना, प्रियांशी सक्सेना, अभिनव पाल, अनन्या मिश्रा

तृतीय स्थान-एमसीए बीसीए (सीईटी)

कृष सिंह, अरशद नईम, उदित शंखधार, प्रयांशु पांडेय, पाठक, मुहम्मद सइम, कुशाग्र वशिष्ठ, जतिन प्रताप सिंह, कृतिका गुप्ता, सफीन खान, उमाशी सिंह, वंदांशी अग्रवाल, पलक श्रीवास्तव, कनक, गौरी महेश्वरी

एसआरएमएस सीईटी में आयोजित आइडियाथान में शामिल हुईं 14 स्कूलों की 25 टीमें

विद्या वर्ल्ड की टीम आइडियाथान में विजेता

प्रथम पुरस्कार के साथ विद्या वर्ल्ड की टीम को मिला 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार

- मनोहर भूषण इंटर कालेज की टीम को द्वितीय स्थान के साथ मिले 11,000 रुपये
- तीसरे स्थान पर रही सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की टीम को मिले 5100 रुपये नकद
- हांडा पब्लिक स्कूल, सेक्रेड हार्ट, जीआरएम स्कूल दोहरा रोड को सांत्वना पुरस्कार
- सांत्वना पुरस्कार के रूप में तीनों टीमों ने हासिल की नकद 2100 रुपये की धनराशि

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में 30 अगस्त 2025 को बेहतर भविष्य के लिए नवाचार (Innovate for a Sustainable Future) थीम पर आइडियाथान का आयोजन हुआ। कक्षा 11 एवं कक्षा 12 के छात्र एवं छात्राओं के लिए आईआईसी के तत्वाधान एवं टेक एज सेल के अंतर्गत आयोजित आइडियाथान में विद्या वर्ल्ड स्कूल की टीम (विद्या हाईजेनोवा) ने प्रथम स्थान हासिल किया पहले स्थान के लिए उन्हें 21,000/- रुपये की धनराशि प्रदान की गई। मनोहर भूषण इंटर कालेज की टीम जितेश कुमार को द्वितीय स्थान के साथ 11,000/-रुपये की धनराशि मिली। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की टीम (प्लेनेट प्रोटेक्टर्स) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें उन्हें 5100/-रुपये की धनराशि मिली। प्रथम तीन पुरस्कारों के साथ ही तीन टीमों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। हांडा पब्लिक स्कूल, सेक्रेड हार्ट पब्लिक स्कूल तथा जीआरएम स्कूल दोहरा रोड की टीमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सांत्वना पुरस्कार मिला, जिसमें उन्हें 2100/-रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

आइडियाथान का शुभारम्भ चेयरमैन देव मूर्ति जी ने रिबन काटकर किया। मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अपने उद्बोधन में चेयरमैन सर ने विभिन्न स्कूलों से आए प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें ऐसी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इन्हीं बच्चों के आईडिया नवाचार का रूप लेकर प्रोडक्ट बनेंगे और भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज भारत को सबसे अधिक जरूरत अपनी युवा शक्ति के परिश्रम, रचनात्मकता और संकल्प की है, ताकि राष्ट्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके। उद्घाटन के पश्चात बच्चों ने बड़े उत्साह और जिज्ञासा के साथ अपने-अपने प्रोजेक्ट्स और आइडिया प्रस्तुत किए, जिससे उनकी नवाचार के प्रतिजागरूकता और रचनात्मक सोच स्पष्ट रूप से झलक उठी। आइडियाथान 2025 में कुल 14 विद्यालयों की 40 टीमों ने आनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें से विभिन्न मानदंडों के आधार पर 29 टीमों का चयन किया गया। चयनित टीमों में से 25 टीमों के कुल 87 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धा में सक्रिय रूप से भाग लिया। आइडियाथान 2025 के समापन समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को इनोवेशन की और अग्रसर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। ताकि देश के विकास एवं कल्याण को सुनिश्चित किया जा सके। डा. रीतेश कुमार तिवारी, डा. सुनील के. सिन्हा, डा हीरेश कुमार गुप्ता, डा. रवीन्द्र कुमार, डा. सौरभ गुप्ता, डा. पुष्पेन्द्र यादव, डा. मानवी मिश्रा ने आइडियाथान में निर्णायक मंडल में जूरी की भूमिका निभाई। समापन समारोह में कश्वलेज के प्रधानाचार्य एवं आईआईसी चेयरमैन प्रोफेसर डा. प्रभाकर गुप्ता, उप प्रधानाचार्य प्रोफेसर डा. ऋतु सिंह, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा.सुनील कुमार सिन्हा, आईआईसी संयोजक आशीष कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आइडियाथान के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. सत्य देव के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

जानकारी हासिल लेते चेयरमैन देव मूर्ति जी

प्रथम पुरस्कार के साथ विद्या वर्ल्ड की टीम

द्वितीय पुरस्कार के साथ मनोहर भूषण इंटर कॉलेज

तृतीय पुरस्कार के साथ एमआर जयपुरिया की टीम

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: भजन, आस्था और आनंद की एक रात

श्रीराधा कृष्ण मंदिर, सीईटी उन्नाव

श्रीराधा कृष्ण मंदिर, सीईटी बरेली

आईएमएस: गर्भावस्था के प्रबंधन में डापलर के उपयोग और इसकी भूमिका पर चर्चा

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एक जून 2025 को स्त्री एवं प्रसूति रोग में डापलर की भूमिका पर वर्कशाप हुई। इसमें 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने यूएसजी डापलर पर प्रशिक्षण लिया। विशेषज्ञ फैकल्टी एवं मास्टर ट्रेनर डा. भारती गहटोरी ने डापलर तकनीक के सभी पहलुओं, गर्भावस्था के उपचार और प्रबंधन में इसकी भूमिका और उपयोग जानकारी दी।

आईएमएस: राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े पर जागरूकता कार्यक्रम 'कोर्ट मार्शल'

आईएमएस: निशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन कैम्प

सीईटी बरेली: खेलेगा देश खिलेगा देश (राष्ट्रीय खेल दिवस)

29-31 Aug. 2025

आईबीएस: ट्रायम्फ, 2025 ओरिएंटेशन प्रोग्राम

आईबीएस में स्नातक के नए बैच के लिए चार दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। इसमें आईबीएस के परिचय, इसकी विरासत, मूल्य, एसआरएमएस ट्रस्ट की भूमिका, चेयरमैन देव मूर्ति जी के विजन, एसआरएमएस आईबीएस की उत्कृष्टता प्रणाली, स्नातक पाठ्यक्रम, कक्षा-समय, उपस्थिति, परीक्षा और छात्रवृत्ति, प्लेसमेंट, छात्रावास, पुस्तकालय और खेल के संबंध में बताया गया। यह जानकारी डीन अकादमिक, प्रो. (डा.) तरुण सिंह गंगवार, सर्वेश पांडे, समता बहादुर, राजेश कुमार सिंह, वार्डन सीमा मिश्रा एवं सूर्य प्रकाश मिश्रा, लाइब्रेरियन कीर्ति व प्रज्ञा और प्रशिक्षक अनुज मिश्रा ने दी।

आईबीएस: वित्तीय बुद्धिमत्ता से भविष्य सशक्त बनाने पर विशेष सत्र

आईबीएस स्थित मैनेजमेंट क्लब ने 31 जुलाई 2025 को छात्रों के लिए 'आपका वित्तीय रोडमैप' समझदारी से योजना और निवेश विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया। इसमें एडमिनिस्ट्रेटिव कोआर्डिनेटर डा. दीपक बत्रा ने प्रारंभिक वित्तीय नियोजन के महत्व और धन सृजन में चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति की जानकारी दी।

सीईटी: सिनर्जी टीम को पहला स्थान

21 June 2025

सीईटी बरेली में 21 अगस्त को इनफार्मेशन टेक्नोलाजी विभाग ने आईआईसी के अन्तर्गत प्रतियोगिता आयोजन की। इसमें 18 टीमों में से सिद्धि गुप्ता एवं रिया रस्तोगी की सिनर्जी टीम को पहला स्थान मिला। जबकि वेदांशी सिंह व खुशी रस्तोगी की इनोवेंचर्स टीम को दूसरा और श्वेता यादव व इशिका गंगवार की टीम मिनि एक्सप्लेरर्स को तीसरा स्थान मिला।

आईएमएस: आदित्य मूर्ति के रक्तदान से हुआ 72 यूनिट एकत्र

रक्तदान, महादान...

एसआरएमएस मेडिकल साइंसेज में विश्व रक्तदाता दिवस पर 14 जून को स्वैच्छिक रक्तदान कैंप में मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, कैंसर विशेषज्ञ डा.पवन मेहरोत्रा सहित एसआरएमएस के अन्य चिकित्सकों और स्टाफ ने रक्तदान किया। 13 जून को साई मंदिर में भी स्वैच्छिक रक्तदान कैंप लगा। दोनों स्थानों पर 72 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में योग को अपनाने का संकल्प

21 June 2025

सीईटीः साप्ताहिक कथक वर्कशॉप का आयोजन

बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश) एवं श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूशंस के संयुक्त तत्वाधान में बरेली स्थित सीईटी में 2 जून से 9 2025 के बीच साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन कथक कार्यशाला हुई। इसमें युवा कथक नृत्यांगना डा. प्रेरणा राणा ने 30 छात्र एवं छात्राओं को प्रशिक्षण दिया।

आईबीएसः माक इंटरव्यू में दिए टिप्स

एसआरएमएस आईबीएस में 29 जुलाई 2025 को बीबीए और बी.काम (आनर्स) के छात्रों के लिए माक इंटरव्यू सत्र हुआ। इसमें टीसीएस के नार्त इंडिया हेड शाहनवाज फैज़ल ने प्रबंधन छात्रों को वास्तविक जीवन के प्लेसमेंट इंटरव्यू के लिए टिप्स दिए। साथ ही उनकी खूबियों और सुधार के सुझाव के साथ विकासात्मक पहलू पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. (डा.) तरुण सिंह गंगवार, सीनियर फैकेल्टी ह्यूमन रिसोर्स तनु दुबे मौजूद रहे।

सीईटीः स्प्रेडशीट माडलिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला

सीईटी बरेली में 5-8 जून के बीच स्प्रेडशीट माडलिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें एसजीटी विश्व विद्यालय गुरुग्राम के डेटा एनालिस्ट डा.सुनील कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

आईबीएस: प्रसिद्ध हस्तियों की नकल

एसआरएमएस आईबीएस में मैनेजमेंट क्लब की ओर से 28 अगस्त 2025 को विद्यार्थियों की रचनात्मकता, अवलोकन कौशल और हास्य बोध को उजागर करने के लिए प्रसिद्ध हस्तियों की नकल कार्यक्रम हुआ। इसमें आईबीएस के डीन प्रोफेसर (डा.) तरुण सिंह गंगवार, वरिष्ठ संकाय सदस्य तनु दुबे, डा. अभिनव प्रकाश, डा. वैभव श्रीवास्तव और सी.के. वर्मा तथा मैनेजमेंट क्लब कोआर्डिनेटर सनोबर फातिमा मौजूद रहीं।

आईएमएस: अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि

13 June 2025

आईबीएस: कोका-कोला औद्योगिक भ्रमण को पहुंचे विद्यार्थी

सीईटी फार्मेसी: एलुमनी लेक्चर

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी बरेली के फार्मेसी विभाग में 30 अगस्त को एलुमनी लेक्चर हुआ। इसमें सीएसआरआई आईटीआर लखनऊ के प्रिंसिपल साइंटिस्ट और टाक्सिको काइनेटिक्स प्रयोगशाला के प्रभारी बीफार्म के पूर्व छात्र डा. शीलेन्द्र प्रताप सिंह (2000 बैच) 'कम वसा वाले खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेष विश्लेषण' विषय पर व्याख्यान दिया।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2016 में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त कहानी

यथार्थ का सत्य

लेखक- सुधांशु रंजन पाण्डेय, 24 बी, ग्रीनी सिटी कालोनी गांधीनगर, गोरखपुर

घर पहुँचते ही यथार्थ ने अपना बस्ता बिस्तर पर फेंका और टीवी देखने लगा, तभी थोड़ी देर में अपने नाती को भोजन के लिए उसकी नानी मीरा बुलाने आई और कहा-स्कूल से आए नहीं कि शरारत शुरू, चलो पहले खाना खाओ। नानी की बात सुनकर भी यथार्थ ने अनसुनी कर दी। फिर उन्होंने कहा-आज कुछ पढ़ाई नहीं हुई है क्या, जो इतने खुश हो? यथार्थ ने बड़ी ही मासूमियत से बोला-नानी आज किसी ने कुछ नहीं पढ़ाया, क्योंकि टीचर व्रत थी, नानी आज क्या है? तब उसकी नानी ने बताया कि आज जीवित्पुत्रिका व्रत है, जिसमें हर माँ अपने बच्चे के लिए व्रत रखती है। यह सुनकर तीन वर्ष के बच्चे ने पूछा, नानी क्या मेरी माँ भी व्रत होगी मेरे लिए? यथार्थ द्वारा पूछा गया यह प्रश्न मीरा के लिए एक यक्ष प्रश्न ही था, उन्होंने हाँ कहकर, अपनी आँखों के अश्रु समेटते हुए यथार्थ का माथा चूम लिया। इससे पहले वह कोई और प्रश्न पूछता, मीरा उसे खाना खिलाने लगी और फिर सुला दिया। परन्तु वह अभी भी मीरा के मन में जाग रहा था एवं यह प्रश्न कर रहा था क्या मेरी माँ भी व्रत होगी? जिस प्रकार समुद्र की लहरें व्यक्ति को उससे काफी दूर ले जाती हैं उसी प्रकार यथार्थ का यह प्रश्न मीरा को वर्तमान से बहुत दूर ले जा रहा था। अतीत के पन्ने जल्दी-जल्दी पलटती मीरा यथार्थ के प्रश्न के उत्तर को ढूंढ़ने का प्रयास कर रही थी या अपने मन को सांत्वना दे रही थी। क्योंकि उसे उत्तर मालूम था, परन्तु क्या कारण था कि वह मौन थी। यह मौन अतीत की घटनाओं का रक्षक था और रह-रहकर मीरा के मस्तिष्क को सालता था, परन्तु आज यह असह्य हो उठा था। सूर्यदेव अपने अंतिम प्रसाद की वर्षा पुष्पों एवं पल्लवों पर कर रहे थे और आकाश में धीरे-धीरे बढ़ते अंधकार की कालिमा, मानो मीरा जी पर हावी हो रही थी।

यह कष्टदायक बात अपने पति विजय से कही, मगर फिर मौन जीत गया। कितने खुश थे वे जब उनकी गोद में एक बच्ची आई थी, जिसने उनके आँगन में खुशी, प्रेम एवं खिल-खिलाहट की रचना की थी, जिसके कारण उसके माता-पिता ने बच्ची का नाम ऋचा रखा। समय बीतता गया एवं ऋचा ने अपनी इंटर की परीक्षा प्रथम दर्जे से उत्तीर्ण कर ली थी एवं शहर में एक महाविद्यालय में दाखिला ले लिया था। पढ़ाई, खेलकूद एवं घरेलू काम-काज में निपुण होने के साथ व्यवहार कुशल थी ऋचा। अब उसकी पढ़ाई भी पूरी होने को थी। रात में विजय से उनकी पत्नी मीरा ने पूछा- आपको तो बस अपनी बच्ची की कुछ सुध ही नहीं है, कुछ आगे का भी सोचा है कि नहीं? विजय ने कहा- लो भाई अब क्या हो गया, कहाँ कयामत आ गई है? जवाब में मीरा ने कहा अभी तो नहीं आई, मगर तुम ऐसे ही बेसुध रहे तो जरूर आ जाएगी। क्या हो गया ऐसा, बताओ तो। अरे बेटी के ब्याह का कुछ सोचा की नहीं? अरे इस प्रश्न पर तो कभी विचार ही नहीं किया कि उनकी ऋचा अब बड़ी हो गई है, अब उसका कन्यादान करना होगा। ऐसा लगा कि मानो अभी कल ही पैदा हुई हो, यह सोचकर विजय जी की आँखें नम हो गई। रूंधे गले से बोले बेटी का बाप हूँ, कलेजे पर पत्थर तो रखना ही पड़ेगा। काफी खोजबीन के बाद उन्हें एक रिश्ता पसंद आया, लड़के का नाम रमेश था और वह सरकारी नौकरी में था। घर में माँ, बहन, भाई एवं पिता थे। रमेश के पिता शारीरिक रूप से अक्षम थे, समझ बूझकर उन्होंने महीने की 15 तारीख को शादी निश्चित की एवं देखते ही देखते विजय और मीरा ने ऋचा को विदा कर दिया। एक नया

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2016 में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त कहानी

संसार, नया रोमांच, नई स्फूर्ति ऋचा के द्वार पर दस्तक दे रही थी, जिसका उसने स्वागत किया। समय बीतता गया एवं डेढ़ वर्षों के पश्चात् उसे पुत्र हुआ जिसका नाम उसने रखा अथर्व, अथर्व ने ऋचा को सबसे बड़ा सुख दिया- मातृत्व सुख। सब कुछ खुशमय था। कुछ महीनों के बाद अप्रैल की 20 तारीख, ऋचा के लिए बेहद खास थी। सुबह-सुबह ऋचा को उसकी नौकरी लगने की सूचना मिली एवं उसे दूसरे गर्भ की अनुभूति भी हुई। सब बेहद खुश थे और आज ऋचा मायके भी जाने वाली थी।

मगर नियति को कुछ और ही मंजूर था। यह सब देख ऋचा की ननद ने अपनी माँ से कहा- माँ जबसे भाभी आई है, भैया तुम्हारी बात नहीं सुनता, अगर इसने नौकरी कर ली तो वो मालकिन और तू नौकरानी। कैकई की भाँति उसके मन में भी असत्य एवं ईर्ष्या ने अपना अधिपत्य स्थापित कर लिया था। जब ऋचा छत से नीचे उतरी तो उसकी सास ने कहा-ऐ लड़की तू कोई नौकरी नहीं करेगी। यह सुनकर वह हतप्रभ रह गई एवं बात का प्रतिकार किया। बस फिर क्या था इसने आग में घी डाल दिया। बात बढ़ने लगी और अहंकार से वशीभूत होकर ऋचा की सास ने उसके ऊपर मिट्टी का तेल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। तभी ऋचा के ससुर ने उसे बचाने की कोशिश की, परन्तु अपंगता ने उन्हें विवश कर दिया। इसी प्रयास में उनके भी वस्त्रों को आग ने पकड़ लिया। धुआँ देखकर जब पड़ोसी अन्दर आए तो सास और ननद घड़ियाली आँसू बहाने लगी। इस पूरे घटनाक्रम की सूचना विजय को मिल चुकी थी एवं उन्हें अपने दामाद पर क्रोध आ रहा था। ऋचा अभी तक अस्पताल में बेहोश थी एवं उसके ससुर की मृत्यु हो चुकी थी, खुद को सर्वेसर्वा समझने के अहम ने उसकी सास ने खुद अपने माथे की लाली की हटा ली थी। दो दिन बाद जब ऋचा को होश आया तो उसका हाथ सीधे पेट पर गया, उसका दो माह का गर्भ नष्ट हो चुका था, इससे उसे काफी आघात हुआ। अस्पताल के वातानुकूलित कमरे में भी सामर्थ्य नहीं था कि वह ऋचा के अन्दर की अग्नि को शांत कर सके।

तभी अथर्व को लेकर रमेश कमरे में दाखिल हुये और ऋचा से अपनी माँ एवं बहन की रक्षा की दुहाई करने लगा, मगर उसने मुँह फेर लिया। फिर रमेश ने उसे अथर्व की सौगंध दी। एक गर्भपात के दुख में डूबी ऋचा अपने दूसरे पुत्र को खोना नहीं चाहती थी, इसीलिए उसने असत्य के समक्ष घुटने टेक दिए। अपनी पुत्री का अधजला शरीर देखकर विजय की आँखें लाल हो गई और वे रमेश की तरफ बढ़े मगर ऋचा ने उन्हे रोक लिया। अपने पिता की तरफ रोते हुए काँपते होठों से ऋचा बोली-पापा इन्हें कुछ न कहिएगा, क्योंकि मैंने वचन दिया है और अथर्व की परवरिश आप कीजिएगा। इससे पहले की विजय कुछ कह पाते ऋचा ने कहा पापा आप अथर्व का नाम यथार्थ रख दीजिएगा, क्योंकि मेरे सत्य से परिचित है और इसे रमेश के बारे में कुछ मत बताइएगा, आपको मेरी कसम। बेटी की इस दशा को देखकर विजय कमरे से चले गए। रात्रि की कालिमा, कुविचारों एवं कुचक्रों को प्रबल कर रही थी। रमेश को अभी तक ऋचा की निष्ठा पर भरोसा नहीं था। वह रात के दूसरे पहर उसके कमरे में आया और काँपते हाथों से भाव शून्य होकर ऋचा के मुँह पर लगे ऑक्सीजन मास्क को हटाकर अपने परिवार को सुरक्षित कर लिया। निरंकुशता ने आज ऋचा की जिंदगी का अंत कर दिया, सुबह का सूर्य विजय एवं मीरा के लिए गम का सैलाब लेकर आया था, जिसके मझधार में वे, मीरा एवं एक वर्षा का यथार्थ था। यह सब सोचते-सोचते अचानक अलार्म बज उठा एवं अतीत की किताब बंद करके मीरा वर्तमान में आती है परन्तु एक प्रश्न के साथ-क्या मेरी माँ भी आज व्रत होगी ?

समाप्त...

NEW EMPLOYEE

(Till Aug. 2025)

Dr. Anil Kumar Singh
Medical Superintendent
MBBS, DCP
Hospital, Unnao

Dr. Shipra Tripathi
Professor
MS, Ophthalmology
IMS, Bareilly

Amit Kumar Sharma
Professor
Pharmacy
SRMS CET, Bareilly

Pratyencha H Ram
Associate Professor
Nursing College
Bareilly

Dr. Abhinav Srivastava
Associate Professor
BCA Department
SRMS IBS, Unnao

Dr. Avtar Singh
Associate Professor
EC Department
SRMS CET, Bareilly

Dr. Umar Saifi
Asst. Professor
MD, T.B. & Res. Medicine
IMS, Bareilly

Dr. Amrit Agarwal
Asst. Professor
MD, Pediatrics
IMS, Bareilly

Dr. Nivedita Gupta
Asst. Professor
M.ch. Obst. & Gynae.
IMS, Bareilly

Ratan Jeet Singh
Assistant Professor
BCA Department
SRMS IBS, Unnao

Bharat Yadav
Assistant Prof
Pharmacy Department
SRMS CET, Bareilly

Ritigya
Assistant Professor
MCA Department
SRMS CET, Bareilly

Akanksha Johari
Assistant Professor
MBA Department
SRMS CET, Bareilly

Jyoti Mishra
Assistant Professor
MBA Department
SRMS CET, Bareilly

Mohammad Afzal
Assistant Professor
MBA Department
SRMS CET, Bareilly

Shobha Bharti
Assistant Professor
CS Department
SRMS CET, Bareilly

Dr.Tejasvita Singh
Assistant Professor
CS Department
SRMS CET, Bareilly

Neha Gupta
Assistant Professor
CS Department
SRMS CET, Bareilly

Nikhat Parveen
Assistant Professor
CS Department
SRMS CET, Bareilly

Saman Ashrafi
Assistant Professor
Management Department
SRMS IBS, Unnao

NEW EMPLOYEE

(Till Aug. 2025)

Nisha Khan
Assistant Professor
MCA Department
SRMS CET, Bareilly

Shorab Ahmad
Assistant Professor
MCA Department
SRMS CET, Bareilly

Nitesh Kumar
Assistant Professor
BHMCT Department
SRMS CET & R, Bareilly

Shivam Saxena
Assistant Professor
BCA Department
SRMS CET & R, Bareilly

Akhil Pandey
Assistant Professor
CS Department
SRMS CET & R, Bareilly

Dr. Devesh Pandey
Dy. MS & Con. Oncologist
MBBS, MD, CCEPC
Clinical Oncology, Unnao

Dr. Gaurav Kumar Singh
Con. General & Laparoscopic
Surgeon - MBBS, DNB
G.Surgery, Hospital, Unnao

Dr. Shreya Singh
Con., OBS & Gynaecology
MS General
Hospital, Unnao

Dr. Mandavee Ojha
Consultant Rediologist
MD Medicine with Rediologist
Hospital, Unnao

Dr. Deep Shikha Singh
M O Obst. & Gynae
BAMS
Hospital, Unnao

Dr. Swati Mishra
Consultant Dental
BDS
Hospital, Unnao

Sattvick Mishra
Faculty
VOCAL Department
SRMS Riddhima, Bareilly

Rishav Ashish Pathak
Faculty
Instrument Department
SRMS Riddhima, Bareilly

Renuka Pathak
Nursing Tutor
Nursing College
Unnao

Avantika Singh
Nursing Tutor
Nursing College
Unnao

PROMOTION

Dr Deepak Charan
Professor, Psychiatry
IMS, Bareilly

Dr. Samta Tiwari
Professor, Anatomy
IMS, Bareilly

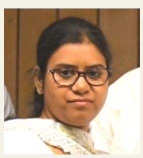

Dr. Ashita Mowar
Professor, Anasthesia
IMS, Bareilly

Dr. Vijay Kumar
Prof., Forensic Medicine
IMS, Bareilly

Dr. Nidhi Johari
Prof., Pathology
IMS, Bareilly

Dr. Kamal Nayan Gangey
Asso. Prof., Radiodiagnosis
IMS, Bareilly

Dr. Rashmi Raheja
Asso. Prof., Physiology
IMS, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं शुभकामनाएं ...

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

SRMS आईएमएस

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों में 15 अगस्त को धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने गुडलाइफ हास्पिटल, सीईटी, सीईटीआर, आईएमएस और रिद्धिमा में ध्वजारोहण किया। सीईटीआर में नर्सिंग और ला के विद्यार्थी भी शामिल हुए। जबकि मेडिकल कालेज में पैरामेडिकल के विद्यार्थी उपस्थित रहे। लखनऊ स्थित इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल (आईबीएस) में ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने ध्वजारोहण किया और विद्यार्थियों को आजादी का संदेश दिया। उन्होंने आईबीएस लखनऊ में ध्वजारोहण किया। सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देने के साथ उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। स्वतंत्रता सेनानी पूर्व मंत्री श्रीराम मूर्ति जी के संघर्षों की जानकारी दी। इस अवसर पर आईबीएस के डीन अकादमिक, प्रो. (डा.) तरुण सिंह गंगवार, एसआरएमएस स्कूल की प्रिंसिपल, अनुपमा डोगरा सहित स्टाफ उपस्थित रहा। उधर बरेली में आदित्य मूर्ति जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और ट्रस्ट के प्रेरणा स्रोत एवं स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी की तस्वीरों पर माल्यार्पण कर सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। स्वतंत्रता दिवस पर रिद्धिमा के गुरुओं और शिष्यों ने देशभक्ति पूर्ण गीत गाकर उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम भी भावना का संचार किया। थिएटर गुरु विनायक श्रीवास्तव और उनके विद्यार्थियों ने आजादी के लिए हुए संघर्ष और बलिदान को नाटक के जरिए प्रदर्शित किया। इस मौके पर एसआरएमएस की ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, गुड लाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, एसआरएमएस आईएमएस के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, प्रिंसिपल पैरामेडिकल कालेज डा.जसविंदर कौर, प्रिंसिपल सीईटी प्रोफेसर डा. प्रभाकर गुप्ता, प्रिंसिपल सीईटीआर डा.शैलेश सक्सेना, प्रिंसिपल नर्सिंग डा.मुथु महेश्वरी, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा.अनुज कुमार, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डीन पीजी डा. रोहित शर्मा, डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा. क्रांति कुमार, डा.रीता शर्मा, सभी विभागाध्यक्ष और स्टाफ मौजूद रहा।

SRMS सीईटीआर

SRMS सीईटी

SRMS आईबीएस

SRMS गुडलाइफ

SRMS रिद्धिमा

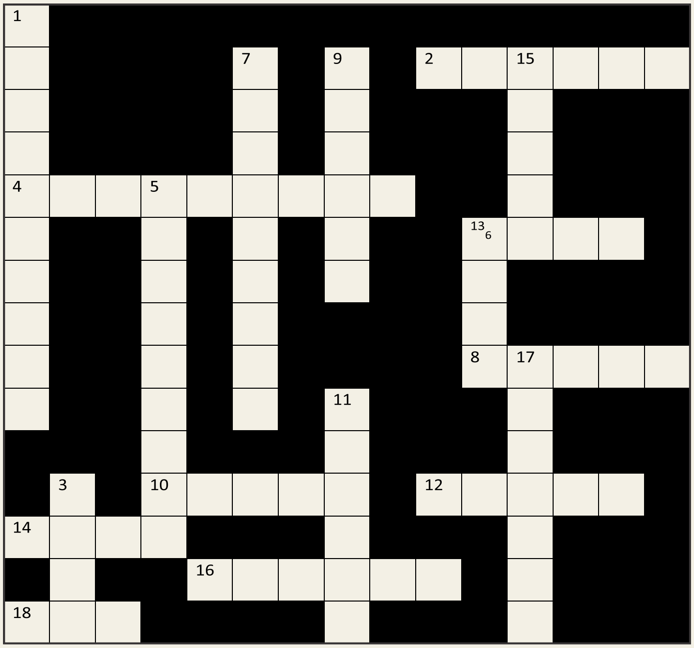

Crosswords No. 36

HORIZONTAL

2. Also known as 'Wineberries'.
4. Funny sound you make by sticking your tongue out, 'Blow a ____'.
6. Naturally hypoallergenic, recommended to people with food allergies, babies; ripens from inside out.
8. Brought to Europe by Portugese, name 'Manga'; India is the largest producer.
10. Has been used to power batteries in early days due to its acidic juice.
12. Its beans used to make chocolate.
14. British soldiers were called '___' as they carried this with them to prevent Scurvy; more acidic than lemons.
16. Has a color named after it.
18. Is an inverted flower; has Ficin- a natural meat tenderizer.

VERTICAL

1. Whole fruit edible, rind to seed; Longest 'Seed Spitting' distance record- 75feet.
3. National bird of New Zealand.
5. The most controversial Pizza topping.
7. Highest antioxidant level out of all common fruits and vegetables.
9. Named after ancient town of 'Cerasus', modern-day Turkey which is one of its largest producers.
11. Great source of K+, Vit. B6,C; naturally Gluten-free.
13. Deep reddish-purple, used to make jam, used to make prunes.
15. One fall from tree led to discovery of a vital physical force.
17. Low sugar/ High healthy fats, used to make Guacamole.

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 36

7		9		1			8	
			7		8			
3		8		5		2		7
				7	1			
	2	1			5		9	
9	7		8					4
					6		1	
			3			5		9
8		5		2			6	

1/2 U	Z	B	E	K	I	S	T	A	N		3/4 I	R	A	6 Q
R											N			A
U					5 F	I	N	L	A	N	D			T
G			8 N								I			A
U			E				10 V				A			R
7 A	U	S	T	R	A	L	I	A						
Y			H				E					14 V		
	12 P		9 E	G	Y	P	T					A		
	E		R				N					T		
	R		L				A					I		16 B
11 C	U	B	A		18 J		M					C		R
			N		A							A		A
			D		15 P	A	K	I	S	T	A	N		Z
13 R	U	S	S	I	A									I
					N					17 N	E	P	A	L

Answer: Crosswords No. 35

6	5	1	4	3	2	8	9	7
7	4	8	9	5	6	1	3	2
9	2	3	1	8	7	5	6	4
3	6	2	8	9	1	4	7	5
8	9	7	2	4	5	3	1	6
4	1	5	7	6	3	9	2	8
5	3	9	6	2	4	7	8	1
2	7	4	3	1	8	6	5	9
1	8	6	5	7	9	2	4	3

Answer: Soduko No. 35

SRMS

इंटरवेंशनल कॉर्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी सेंटर

A Leading Cardiology Centre In Uttar Pradesh

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी

- एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग, वेंट्रिकुलोग्राफी
- रोटेब्लेशन, इंट्रावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी
- पेसमेकर इम्प्लांटेशन - सिंगल / डबल/ट्रिपल चैंबर, एआईसीडी, सीआरटी-पी, सीआरटी-डी, सीएसपी
- वाल्वुप्लास्टी-बीएमवी (BMV), बीपीवी (BPV)
- वाल्व इम्प्लांटेशन-टीएवीआई (TAVI)/ टीएवीआर (TAVR)
- डिवाइस क्लोजर - एएसडी (ASD), वीएसडी (VSD)
- इलेक्ट्रोफिजियोलाजी (ईपीएस) - एसवीटी (SVT), वीटी (VT), रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन

कार्डियक थोरेसिक एवं वस्कुलर सर्जरी

- कार्डियक बाईपास सर्जरी (CABG)
- वाल्व रिप्लेसमेंट / रिपेयर सर्जरी (AVR, MVR, DVR)
- हृदय छेद की सर्जरी (ASD, VSD, PDA, TOF)
- थोरैसिक (फेफड़े और छाती) सर्जरी
- पेरिफेरल आर्टरी डिजीज (PAD) सर्जरी
- वैरिकोज वेन सर्जरी
- पैरों की धमनियों की बाईपास सर्जरी
- एन्यूरिज्म रिपेयर सर्जरी
- अन्य ओपन हार्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी

डॉ. अमरेश कु. अग्रवाल
एमडी, डीएम (कार्डियोलॉजी)
FACC (USA), FESC (UK)
वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. दीपेश कु. अग्रवाल
एमडी, डीएम (कार्डियोलॉजी)
FACC, FSCAI, FRCP (Edinburgh)
वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अमित वार्ष्णेय
एमडी, डीआरएनबी (कार्डियोलॉजी)
इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट

डॉ. विकास दीप गोयल
एमएस, एमसीएच (CTVS)
वरिष्ठ कार्डियो थोरेसिक एवं वस्कुलर सर्जन

श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

13 किमी.,बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली ✆ 9458705555 www.srms.ac.in